मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 28 मार्च 2025

संवत 2081, चैत्र कृष्णपक्ष 14 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 202 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ जैव अर्थव्यवस्था की बढ़ती महत्ता

बॉलीवुड फिल्मों पर बोले सनी देओल,कहा-हम खो गये हैं, बताया अच्छी फिल्म... ◂◂ 6

आजसू नेता व कारोबारी की हत्या का विरोध

सड़कों पर उतरे लोग, आगजनी कर किया चक्का जाम, दुकानें बंद

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता

रांची: पंडरा ओपी क्षेत्र में गुरुवार की रात जूता कारोबारी की हत्या से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने झिरी चौक के पास आगजनी कर सड़क को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया है। आक्रोशित भीड़ ने सड़क पर उतरकर जितने भी दुकान खुली सभी को जबरन बंद करवाया । जगह-जगह टायर चला कर रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर मुस्तैद है और चक्काजाम कर रहे लोगों को समझाने की कोशिश कर रही है। भीड़ द्वारा पंडरा बाजार को भी पूरी तरह से बंद कर दिया है। गौरतलब है कि गुरुवार रात जूता दुकान के मालिक भूपल साहू की चाकू से काटकर अज्ञात अपराधियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्थानीय लोग सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

गुरुवार की शाम अपराधियों ने दिया था घटना को अंजाम: पंडरा में गुरुवार को रवि स्टील के समीप विशाल फुटवेयर नामक दुकान के संचालक सह आजसू नेता की अज्ञात अपराधियों ने गला रेत कर हत्या कर दी। गंभीर हालत में उन्हें सिमिलिया के रिंग रोड में स्थित इस्टर्न अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। वह रातू के चटकपुर स्थित सरना टोली के रहने वाले थे। जिस वक्त अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया था, उस वक्त बगल में सत्संग चल रहा था। इस कारण तुंरत घटना की जानकारी नहीं मिली। जिस वक्त वह जंख्मी में गिरे पड़े थे उस वक्त पास के एक दुकानदार ने उन्हें खून से लथपथ देखा।

अवैध कोयले के कारोबार में वर्चस्व को लेकर भिड़े दो गुट, चली गोलियां, एक घायल

संवाददाता

धनबाद: कोयलांचल में अब अवैध कोयले के कारोबार पर वर्चस्व स्थापित करने को लेकर भी मारपीट और फायरिंग की घटनाएं हो रही हैं। ताजा मामला ईस्ट बसूरिया ओपी क्षेत्र के बीसीसीएल के गोंदुडीह कोल डंप का है। जहां दो गुटों के बीच पहले मारपीट हुई, उसके बाद पांच राउंड फायरिंग की गयी।

फायरिंग की घटना में ईस्ट बसुरिया कोल डंप पासवान घोड़ा के रहने वाले ललन पासवान को गोली लगी है। जख्मी अवस्था में उसे एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल के मामा पंकज पासवान ने बताया कि 25 से 30 की संख्या में लोग कोल डंप पहुंचे। इस दौरान ये लोग ट्रक लोडिंग के लिए दबाव बनाने लगे। अवैध तरीके से ये लोग कोयला की मांग करने लगे। जिस पर हम लोगों ने कहा कि टोकरी से कोयला लोड करते हैं, हमें इन सब चीजों से कोई मतलब नहीं है।

इसके बाद मौके पहुंचे लोग मारपीट करने लगे। इसके बाद हम सभी लोग भाग खड़े हुए। जब हम भाग रहे थे तो इन लोगों ने अचानक से फायरिंग कर दी। फायरिंग करते हुए ईस्ट बांसुरिया हनुमान मंदिर तक पहुंचे गए। उनके द्वारा की गई फायरिंग में ललन पासवान को मंदिर के समीप गोली लगी। हमलावरों की संख्या 25 से 30 के आसपास रही होगी और सभी आरोपी ईस्ट बांसुरिया खटाल के रहने वाले हैं।

ललन पासवान ने कहा कि 40 से 50 लोगों ने दौड़ा दौड़कर गोली मारी है। गोंदूडीह कोल डंप में मारपीट हुई। उसके बाद इन लोगों ने मुझे दौड़ाते हुए गोली मारी है। दरअसल ये लोग रंगदारी से ट्रक लोडिंग कराना चाहते थे। जिसका विरोध करने पर मारपीट और फायरिंग हुई है।

दरअसल यह मामला दो गुटों के बीच कोयला चोरी में वर्चस्व स्थापित करने को लेकर है। ईस्ट बसुरिया कोल डंप पासवान घोड़ा के लोग गोंडूडीह कोल डंप से साइकिल और टोकरी से अवैध तरीके से कोयले का उठाव करते हैं। ये लोग छोटे पैमाने पर कोयले की चोरी करते हैं। वहीं दूसरा गुट जो कि ईस्ट बांसुरिया खटाल का है, वह कोल डंप से अवैध तरीके से निकाले गए कोयला का ट्रकों से कोयले की तस्करी करते हैं। गुरुवार रात खटाल के लोग पहुंचे और दबंगई से कोयला डंप से कोयले की मांग पर अड़ गए। पासवान धोड़ा के लोगों का कोल डंप में पहले से ही वर्चस्व है, जो छोटे स्तर यानी साइकिल से कोयला चोरी करते हैं।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने समाप्त किया अनशन साथी किसानों की रिहाई के बाद पानी पीकर तोड़ा व्रत

पटियाला : किसानों की मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने आज अपने साथी किसानों की रिहाई के बाद अपना अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने पानी पीकर अपना मरणव्रत तोड़ा। उल्लेखनीय है कि डल्लेवाल ने पिछले कुछ दिनों से पानी पीना भी छोड़ दिया था, जिसे उन्होंने आज से पुनः शुरू कर दिया है। आज पंजाब पुलिस के एडीजीपी जसकरन सिंह, डीआईजी नरिंदर भार्गव, लुधियाना के एसीपी हरजिंदर सिंह गिल और डीएसपी गुरजीत रूमाणा पटियाला के उस अस्पताल में पहुंचे, जहां किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल भर्ती हैं। उन्होंने डल्लेवाल को पानी पिलाकर उनका अनशन समाप्त करवाया। इस अवसर पर हाल ही में जेल से रिहा हुए किसान नेता भी डल्लेवाल से मिलने पहुंचे और उनका हालचाल जाना। गौरतलब है कि 19 मार्च को किसान नेताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद से ही डल्लेवाल ने पानी पीना त्याग दिया था, जबकि उनका मरणव्रत पिछले चार महीनों से जारी था, जिसका आज अंत हो गया।

इस संबंध में अन्य किसान नेताओं ने बताया कि जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। रिहा हुए किसान नेताओं ने उनसे पानी पीने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया।

जम्मू-कश्मीर: कठुआ में मुठभेड

तीन पुलिसकर्मी शहीद, जंगल में छुपे पांच आतंकवादी भी हुए ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान में मारे गए आतंकवादियों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। शुक्रवार को जंगल में दो और शव बरामद किए गए, जहां वे छिपे हुए थे। वहीं, तीन पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि सात सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कठुआ जिले के सूफियान जखोले गांव के घाटी हाइट्स में आतंकवाद विरोधी अभियान में पांच आतंकवादी मारे गए। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के तीन जवान शहीद हो गए। इस ऑपरेशन में डिप्टी एसपी बॉर्डर धीरज कटोच और सेना के एक पैरा कमांडो समेत सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

घायलों को जम्मू शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डिप्टी एसपी का इलाज कठुआ के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में चल रहा है।

शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, मैं जम्मू-कश्मीर पुलिस के वीर शहीदों को नमन करता हूं, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। कठुआ में चल रही मुठभेड़ में कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बल काम पर लगे हुए हैं। ऑपरेशन जारी है।

शुक्रवार तड़के सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान फिर से शुरू किया। रविवार को सान्याल गांव में देखे गए आतंकवादियों की संख्या और सफियान जाखोले गांव के घाटी हाइट्स में अब तक पांच आतंकवादियों के मारे जाने के तथ्य को देखते हुए यह पुष्टि होती है कि यह वही समूह है जो सान्याल गांव से भाग निकला था और घाटी हाइट्स के माध्यम से कठुआ जिले के बिलावर में घुसने की कोशिश कर रहा था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नागरिकों ने गुरुवार सुबह सात बजे सफियान जाखोले घाटी गांव में आतंकवादियों की गतिविधि देखी और पुलिस को इसकी सूचना दी।

अधिकारियों ने बताया, सूचना के बाद डिप्टी एसपी बॉर्डर धीरज कटोच के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस और एसओजी की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इस दौरान सुरक्षाबलों की आतंकवादियों से मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादी एम4 कार्बाइन जैसे अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे। बाद में पैरा कमांडो समेत सेना के जवानों को हवाई मार्ग से उतारा गया और पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों के जवानों की अतिरिक्त टुकड़ियां मौके पर पहुंचीं थी। फिलहाल, ऑपरेशन जारी है।

मौलिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए, भड़काऊ कविता मामले में इमरान प्रतापगढ़ी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, एफआईआर रद्द

नई दिल्ली : कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ गुजरात में दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कांग्रेस सांसद ने जो किया वो कोई अपराध नहीं है। कथित तौर पर सौहार्द बिगाड़ने वाले सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर गुजरात पुलिस ने केस दर्ज किया था। न्यायमूर्ति ओका ने फैसला सुनाते हुए कहा कि साहित्य, कला, व्यंग जीवन को अधिक सार्थक बनाते हैं; गरिमापूर्ण जीवन के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आवश्यक है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें वो हाथ हिलाते हुए चल रहे थे और उनपर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई जा रही थी। इस 46 सेकेंड के वीडियो में बैकग्राउंड से एक गाने ऐ खून के प्यासे बात सुनो की आवाज भी आ रही थी। इसी गाने को लेकर गुजरात पुलिस ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात पुलिस का आरोप था कि, इस गाने के बोल भड़काऊ, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले थे। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट से प्रतापगढ़ी को बड़ी राहत मिली है।

पड़ेगी भीषण गर्मी : मार्च महीने में ही अधिकतम तापमान 40 के करीब पहुंचा

रांची : राज्य में बारिश का दौर थमने के बाद से ही आसमान से आग के गोले बरस रहे हैं। मार्च के महीने में ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब हो चला है। मौसम विभाग की मानें तो मौसम में अभी कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। आज भी लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। इस दौरान अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब या इसके पार जा सकता है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो अभी न तो झारखंड में साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर नहीं दिख रहा है। न ही राज्य के आसपास के इलाकों में किसी तरह का सिनॉप्टिक फीचर। बारिश की संभावना नहीं है। ऐसे में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम में अगले दो दिनों के दौरान कोई बड़े बदलाव के आसार नहीं है। इसके बाद अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

भूकंप से थर्राया म्यांमार, रिक्टर स्केल पर 7.2 रही तीव्रता

नई दिल्ली: म्यांमार में आज भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.2 मापी गयी है। भूकंप की तीव्रता इतनी तेज थी कि इसके झटके थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक तक महसूस किये गये। फिलहाल जान माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आ रही है। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 17 मिलियन से ज्यादा है, जिनमें से एक बड़ी संख्या ऊंची इमारतों में रहती है। भूकंप के झटकों की वजह से लोग सेंट्रल बैंकॉक की सड़कों पर आ गए, जिससे शहर में अफरातफरी का माहौल बन गया। कई लोग धूप से बचने के लिए सड़कों पर खड़े रहे और थोड़ी देर बाद ही घरों में लौटे। म्यांमार में आए इस भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर (30 मील) पूर्व में स्थित था। यह भूकंप म्यांमार के गृहयुद्ध प्रभावित क्षेत्रों में आया, जिससे इस क्षेत्र में और भी अधिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

महाराष्ट्र के 122 करोड़ घोटाले की जांच बिहार तक पहुंची

मधुबनी में एनआई की छापेमारी से हड़कंप

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में हुए 122 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच अब बिहार तक पहुंच गई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को मधुबनी जिले में डिजिटल दुनिया इलेक्ट्रॉनिक शोरूम पर छापेमारी की। यह शोरूम महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री हैदर आजम के भाई जावेद आजम का बताया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान एनआईए को शोरूम में मैनेजर मिला, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। टीम ने कार्यालय से एक लैपटॉप भी जब्त किया है, जिससे घोटाले से जुड़े अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य मिलने की संभावना है।

एनआईए को शक है कि जावेद आजम के बिहार में कई अन्य ठिकाने भी हो सकते हैं, जहां से घोटाले से जुड़े दस्तावेज बरामद किए जा सकते हैं। एजेंसी मैनेजर और मकान मालिक से भी पूछताछ कर रही है ताकि अन्य ठिकानों का सुराग मिल सके।

एनआईए की इस कार्रवाई से मधुबनी जिले में खलबली मची हुई है। जिला मुख्यालय के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसी की टीम अब भी जिले में मौजूद है और आगे की कार्रवाई कर रही है। माना जा रहा है कि घोटाले से जुड़े और भी ठिकानों पर छापेमारी हो सकती है।

जमुई के जंगल में भीषण आग

हजारों पेड़ खाक, वन्यजीवों में हाहाकार

जमुई: जिले के सिमुलतला क्षेत्र में जंगल की आग ने विकराल रूप धारण कर लिया है। हल्दिया झरना पहाड़ से लेकर तिलौना, बघावा और लीलावरण तक आग फैल चुकी है, जिससे हजारों पेड़ जलकर राख हो गए हैं। इस भीषण आग के कारण वन्यजीवों के अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। छोटे जीव इसकी चपेट में आ रहे हैं, जबकि बड़े जानवर सुरक्षित स्थान की तलाश में भटकने को मजबूर हैं। जंगलों में लगी इस आग से क्षेत्र की हरियाली भी तेजी से समाप्त हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह आग गर्मी के मौसम में महुआ चुनने की पुरानी परंपरा के कारण फैलती है। लोग जानबूझकर सूखे पत्तों में आग लगाते हैं, जिससे कई दुर्लभ जड़ी-बूटियां और नवजात पौधे नष्ट हो जाते हैं। यह प्रथा जंगलों के पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा नुकसान पहुंचा रही है।

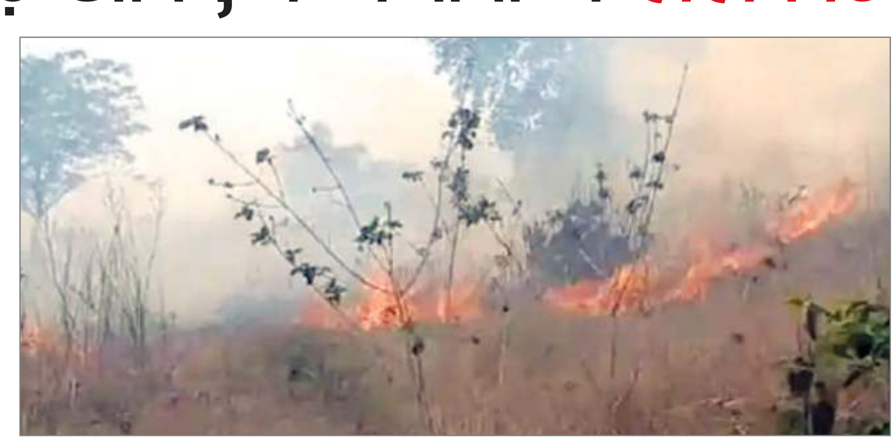

वनपाल अजय कुमार पासवान ने बताया कि आग सेक्टर 07 और 03 में विकराल रूप ले चुकी है। इसे नियंत्रित करने के लिए वन विभाग ने दो अग्निशमन वाहनों को तैनात किया है। कटलगार्ड और सिपसी की मदद से फायर लाइन काटकर आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इस पर नियंत्रण पाना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि जंगलों में आग लगने की इस समस्या का स्थायी समाधान निकालना बेहद आवश्यक है। सरकार वृक्षारोपण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जंगलों को आग से बचाने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। यदि यही स्थिति बनी रही, तो यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। इससे न केवल वन्यजीवों का जीवन संकट में पड़ेगा, बल्कि इंसान और पर्यावरण को भी भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

बजट सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री ने कहा-

परिसीमन की प्रक्रिया आरक्षित आदिवासी व दलित सीट कम करने का छिपा एजेंडा

संवाददाता

भाजपा का एकमात्र लक्ष्य सत्ता हथियाना है:मुख्यमंत्री हेमंत ने कहा कि उनकी पार्टी पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने भाजपा नेता अनिल महतो 'टाइगर' की हत्या की निंदा की और कहा कि इस अपराध को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा बजट सत्र के अंतिम दिन सदन में आरोप लगाया कि परिसीमन की प्रक्रिया एक सुनियोजित साजिश' और छिपे एजेंडे' के तहत लाई जा रही है ताकि आदिवासी और दलितों के लिए आरक्षित सीटों को कम किया जा सके। सोरेन ने विधानसभा में यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता केवल राज्य और देश के विकास के बारे में बोलते हैं, लेकिन करते कुछ नहीं। बजट सत्र के आखिरी दिन सोरेन ने कहा, परिसीमन की कवायद के पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा है, जो है आदिवासी और दलितों के लिए आरक्षित सीटों को कम करना। पहले भी ऐसी कोशिशें की गई थीं, जिन्हें दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने विफल कर दिया था, लेकिन इस बार इसे पूरे देश के लिए एक सुनियोजित साजिश के तहत आगे लाया जा रहा है।"

भाजपा का एकमात्र लक्ष्य सत्ता हथियाना है:मुख्यमंत्री हेमंत ने कहा कि उनकी पार्टी पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने भाजपा नेता अनिल महतो 'टाइगर' की हत्या की निंदा की और कहा कि इस अपराध को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सोरेन ने कहा, जो घटना हुई, मैं इसकी निंदा करता हूं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं ने मृतक के परिजन से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।" भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि उनके नेता केवल राज्य और देश के सर्वांगीण विकास के बारे में बोलते हैं, लेकिन कुछ नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया, उनका एकमात्र लक्ष्य सत्ता हथियाना है, भले ही उन्हें जनादेश न मिले। इसके पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा है। वे चाहते हैं कि अधिक से अधिक राज्यों में उनकी सरकार हो, ताकि वे देश के वर्तमान संविधान को बदल सकें।" सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1.145 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का जोर सामाजिक सुरक्षा पर रहा है। उन्होंने कहा, सरकार करीब 58 लाख महिलाओं को मईया सम्मान योजना का लाभ दे रही है। योजना का असर एक-दो साल में दिखने लगेगा। सरकार इस योजना पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।"

केंद्र राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है: सोरेन ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह दिल्ली समेत कई राज्यों में महिलाओं को मंइयां सम्मान जैसी योजना देने का वादा करके सत्ता में आई, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने अनाथ और शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही वाल्मीकि छात्रवृत्ति योजना शुरू करेंगे, जिसके तहत ऐसे छात्रों को दैनिक जरूरतों, अध्ययन सामग्री और अन्य खर्चों के लिए 4,000 रुपये दिए जाएंगे।" सोरेन ने कहा कि सरकार राज्य के लोगों के लिए हेलीकॉप्टर एंबुलेंस सेवा शुरू करने की भी तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा, हमें केंद्र से हमारा बकाया नहीं मिल रहा है। विभिन्न कोयला कंपनियों से 1.136 लाख करोड़ रुपये बकाया है। इसके अलावा, मनरेगा में 1,200 करोड़ रुपये और पेयजल योजना के तहत 6,000 करोड़ रुपये से अधिक केंद्र के पास लंबित हैं।" वहीं, बता दें कि विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी को शुरू हुआ था। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने बृहस्पतिवार को विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

झारखंड कॉलेज आफ फार्मेसी में दावत-ए-इफ्तार पार्टी का आयोजन

आपस में साथ मिलकर शिक्षित समाज और सशक्त भारत का करें निर्माण :डॉ डीएन मिश्रा

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया: झारखंड एजुकेशनल कल्चरल एवं डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वावधान में संचालित झुमरी तिलैया विशुनपुर रोड स्थित झारखंड कॉलेज आफ फार्मेसी में गुरुवार को दावते इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में भाईचारा एवं आपसी सौहार्द को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। गया है। जिसमें संस्था के सचिव शिक्षाविद् समाजसेवी डॉ डीएन मिश्रा द्वारा समाज में सभी लोगों को आपस में मिलजुल कर भाईचारा एवं सौहार्द पूर्ण एक साथ मिलकर रहने के लिए सदेश दिया। जिससे शिक्षित समाज और सशक्त भारत का निर्माण हो सके। झारखंड एजुकेशनल एंड कल्चरल डेवलपमेंट सोसाइटी की दानदाता सदस्य कला देवी द्वारा दावते इफ्तार पार्टी में शामिल हो कर महिलाओं को उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया गया। झारखंड कॉलेज आफ फार्मेसी कोऑर्डिनेटर अरमान हुसैन द्वारा दावत इतवार पार्टी का आयोजन, डॉ मनीष पंकज, आलमगीर शेख, निजाम नूर आलम, रिजवान खान, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद अख्तर, असिन मियां, झारखंड कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्रिंसिपल मिथिलेश कुमार झारखंड टीचर ट्रेनिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर अजय कुमार यादव, प्रोफेसर सुरभि कुमारी, प्रोफेसर सुनील कुमार, अजय भट्टाचार्य, डॉक्टर सुरेंद्र कुमार, प्रोफेसर अनिल कुमार, अमित कुमार व अन्य मौजूद थे।

फ्लोटिंग सोलर पैनल सीओडी का सफल ट्रायल

कोडरमा: डीवीसी केटीपीएस जलाशय में कुल 6 मेगावाट (3 मेगावाट + 3 मेगावाट) की क्षमता के लिए फ्लोटिंग सोलर पैनल के सीओडी के लिए 26 मार्च 2025 को सफल ट्रायल रन एक अक्षय ऊर्जा पहल किया गया। जिसका उद्देश्य सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए जल निकायों का उपयोग करना है। डीवीसी द्वारा अक्षय ऊर्जा में सौर ऊर्जा एक वास्तविक बढ़ावा होगी साथ ही पर्यावरण और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, हरित ऊर्जा में परिवर्तन के अभियान में, डीवीसी डीवीसी तिलैया बांध में 150 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन जोड़ रहा है। साथ ही आने वाले दिनों में 450 मेगावाट का लक्ष्य निर्धारित है।सौर ऊर्जा अपनाने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है, सौर ऊर्जा को अपनाकर, व्यक्ति जीवाश्म ईंधन की खपत से जुड़े प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में योगदान देता है, जिससे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में मनोज कुमार ठाकुर सीजीएम और एचओपी, संजय कुमार सिन्हा सीनियर जीएम ओएंडएम, मानस कुमार मंडल सीनियर जीएम इलेक्ट्रीक, रंजीत दास जीएम सीएंडआई, सूरज पटनायक सीनियर मैनेजर इलेक्ट्रीक की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। आशिम अमिताभ परिदा मैनेजर-एचआर और केटीपीएस के सीनियर एग्जीक्यूटिव इस अवसर पर उपस्थित थे।

रांची में फिर हत्या, गला रेतकर व्यापारी को उतारा मौत के घाट, दुकान के पास फैला खून ही खून

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में अपराधियों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। गुरुवार देर शाम एक बार फिर शहर में हत्या का मामला सामने आया। शहर के रवि स्टील चौक के पास जूता-चप्पल की दुकान चलाने वाले भूपन साहू की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद से क्षेत्र में लोगों में आक्रोश है। बता दें कि बीते बुधवार को रांची के कांके चौक पर भाजपा नेता अनिल महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 24 घंटे के भीतर शहर में एक और हत्याकांड का मामला सामने आया है।

दरअसल, बीते दिन शहर में हुई भाजपा नेता अनिल महतो की हत्या के बाद आज रांची में बंद बुलाया गया था। लेकिन, इस बंद के दौरान ही अपराधियों ने रवि स्टील चौक के पास एक और वारदात को अंजाम दे दिया। बदमाशों ने जूता-चप्पल व्यवसायी भूपन साहू की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इससे दुकान के पास खून ही खून फैल गया। लगातार दूसरे दिन हुई हत्या से शहर में दहशत का माहौल है और लोग आक्रोशित नजर आ रहे हैं।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की निंदा : रांची में लगातार दूरे दिन हुई हत्या को लेकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा- राजधानी रांची में कानून-व्यवस्था का इससे खराब हाल पहले कभी नहीं देखा गया। स्थिति भयावह हो चुकी है। समझ से परे है कि प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किस मुहूर्त का इंतजार कर रहा है? क्या रांची के व्यवसायी, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता यूं ही अपराधियों का शिकार होते रहेंगे और शासन-प्रशासन मूकदर्शक बना रहेगा? आखिर झारखंड सरकार की कुंभकर्णी नींद कब टूटेगी?

Star Union Dai-ichi Life Insurance
A joint venture of
Bank of India | Union Bank of India | Dai-ichi Life

एसयूडी लाइफ की क्लेम सेटलमेंट अनुभव में सतत सुधार की यात्रा

रांची/बोकारो: स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसयूडी लाइफ), जो 2009 से भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम है, वित्तीय वर्ष 2023-24 में, एसयूडी लाइफ ने व्यक्तिगत दावों के लिए 98.29%, समूह दावों के लिए 95.53%, और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएम-जेजेबीवाई) दावों के लिए 99.09% का प्रभावशाली निपटान अनुपात प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, इसी वित्तीय वर्ष में, कंपनी ने 1,992 व्यक्तिगत मृत्यु दावों का 120.97 करोड़, 2,190 समूह दावों का 159.16 करोड़, और 17,386 पीएम-जेजेबीवाई दावों का 347.72 करोड़ का सफलतापूर्वक निपटान किया। ये आंकड़े एसयूडी लाइफ द्वारा हाल के वर्षों में दावे निपटाने में निरंतर उत्कृष्टता की यात्रा का प्रमाण हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 का प्रदर्शन वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बेहतर रहा है,

एसयूडी लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभय तिवारी ने कहा, .एसयूडी लाइफ में, हमारे पॉलिसीधारकों की सेवा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम समझते हैं कि प्रत्येक क्लेम हमारे ऊपर जताए गए विश्वास का प्रतीक है।

रांची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

बूथवार बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने की सलाह

संवाददाता

रांची: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का अनुपालन करते हुए निर्वाचन संबंधी विषयों पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक की गई है। बैठक में राजनीतिक दलों के सुझाव लिए गए।

वर्तमान में कानूनी प्रावधानों के अनुसार मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के सुझावों पर क्रियान्वयन हेतु कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में खास तौर पर मतदान केंद्रों के रिलोकेशन को कम करते हुए इसे शून्य करने की दिशा में सुझाव प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा ऐसे मतदाताओं का नाम नजदीकी मतदान केंद्रों की मतदाता सूची में अंकित करने का सुझाव दिया गया, जिनके नजदीक में मतदान केंद्र होते हुए भी उन्हें दूर के मतदान केंद्र पर अपने मत का प्रयोग करने के लिए जाना पड़ता है। के रवि कुमार गुरुवार को निर्वाचन सदन में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे थे।

के रवि कुमार ने बैठक में राजनीतिक दलों के जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे बूथ लेवल एजेंट के चुनाव संबंधी ज्ञान संवर्धन एवं उनके द्वार बीएलओ के कार्य में सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि राजनितिक दल बूथवार अपने बुथ लेवल एजेंट अवश्य नियुक्त कर लें। साथ ही चुनाव आयोग द्वारा बताए गए दिशा-निदेशों से उन्हें ससमय अवगत भी कराते रहें।

बैठक में कुमार ने चुनाव एवं उसके उपरांत मतदाताओं एवं जमीनी स्तर पर राजनीतिक दलों के अनुभवों को भी जाना। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं ईआरओ द्वारा भी अपने-अपने स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक किए जा रहे हैं। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार, सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सहित निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आर्थिक समानता का संदेश देते हैं रमजान के रोजे: तौसीफ खान

रांची: रमजान के रोजे इस्लाम के पांच अहम रुकनों में से एक है जो इस्लाम के मानने वालों पर फर्ज. किए गए हैं। रोजा जिस्म की गलाजत को दूर करता है और रूह (आत्म) को पाकीजा बनाता है। रोजा महज भूखे और प्यासे रहने का नाम नहीं है बल्कि भूख की शिद्दत और प्यास की अजीयत को महसूस करने का नाम है जो गरीबों के शिकम से उठती है। इसलिए इस्लाम के अनुयाई इस माह में गरीबों और मिस्कीनों की मदद करते हैं ताकि कोई भी भूखा न रहे , कोई भी बेलेबास न रहे। इस माह में एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था की गई है जो आर्थिक असमानता को दूर करती है। हर साहेब ए माल को अपनी कमाई का ढाई प्रतिशत गरीबों में दान करना होता है जिसे जकात का नाम दिया गया है और ईद की नमाज से पहले ढाई किलो अनाज की कीमत के बराबर रकम गरीबों में दान करना है ।

बजट सत्र का अंतिम दिन

भाजपा विधायक ने विस्थापित पुनर्वास व पुर्नव्यवस्थापन आयोग का मामला उठाया

सरकार ने कहा- 90 दिन के अंदर होगा विस्थापन आयोग का गठन

रांची: विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन बड़का गांव भाजपा विधायक विधायक रोशन लाल चौधरी ने सदन में गैर सरकारी संकल्प के माध्यम से विस्थापित पुनर्वास, पुर्नव्यवस्थापन आयोग का गठन करने का मामला उठाया। इस पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए मंत्री दीपक बरूआ ने बताया कि 8 जुलाई 24 को संपन्न मंत्री परिषद की बैठक में मंत्री परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरांत राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग गठित करने और इस आयोग के माध्यम से विस्थापितों का सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इस आलोक में राज्य सरकार द्वारा राज्य विस्थापन आयोग का गठन करने के लिए झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग (गठन, कार्य एवं दायित्व) नियमावली अनुमोदन के प्रक्रियाधीन है। इसका गठन 90 दिनों के अंतर्गत किया जाएगा। विधायक रोशन लाल चौधरी ने अपने गैर सरकारी संकल्प के माध्यम से यह कहा था कि राज्य में भू- अर्जन और विस्थापन को लेकर भू-अर्जन अधिनियम 1894, कॉल बेयरिंग एक्ट भू-अर्जन पुनर्वासन और पुन व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम- 2013 और झारखंड स्वैच्छिक भू- अर्जन नियमावली - 2010 लागू है। मगर इन अधिनियमों भू- अर्जन, विस्थापन, पुनर्वास मुआवजा भुगतान की नीति अलग-अलग रहने के कारण झारखंड के मूल निवासी, आदिवासी को विस्थापन के बाद उचित पुनर्वास, पुनव्र्यवस्थापना मुआवजा भुगतान भी अलग-अलग होता है इस वजह से विस्थापन के पश्चात एक दो पीढ़ी के बाद विस्थापितों के परिवार की स्थिति दयनीय हो जाती है। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए विस्थापन पुनर्वास, पुनव्र्यवस्थापन नीति को समरूप करते हुए विस्थापन, पुनर्वास, पुनव्र्यवस्थापन आयोग का गठन किया जाना आवश्यक है।

आठवीं फेडरेशन कप वुशु चैंपियनशिप

9 गोल्ड, 18 सिल्वर व 11 ब्रोज लेकर झारखंड ओवर ऑल चैंपियन

बिलासपुर: बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मे आयोजित फेडरेशन कप वुशु प्रतियोगिता में झारखण्ड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 गोल्ड, 18 सिल्वर, 11 ब्रोज कुल 38 मेडल जीत लिए। इस प्रतियोगिता मे भारत के विभिन्न राज्यों के तकरीबन 700 चयनित खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

प्रतियोगिता मे झारखण्ड के 33 सदस्यों वाले दल ने भाग लिया है, आज इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर विधायक सुशांत शुक्ला ने सभी खिलाड़ियों को पदक प्रदान किये :-

पदक विजेता खिलाडी

गीता खलखो –2 गोल्ड
आस्था उरांव – 1 गोल्ड 1 सिल्वर 1ब्रोज
शिवम उरांव – 1 गोल्ड 1 सिल्वर 1ब्रोज
सोनाली कुमारी – 1 गोल्ड 1 सिल्वर
श्रेया कुमारी – 1 गोल्ड 1 सिल्वर
एल प्लेटोदीप सिंह – 1 गोल्ड
निशांत तिर्की –1 गोल्ड
आकाश उरांव - 1सिल्वर 1 ब्रोज
चन्दन कुमार –1 सिल्वर 1 ब्रोज
प्रिया गारी –1 सिल्वर 1 ब्रोज
अविनाश गंझु –1 सिल्वर 1 ब्रोज
ललन यादव– 2 सिल्वर
अनु कुमारी– 1 सिल्वर
वासुदेव टोप्पो– 1 सिल्वर
सोनी मिंज– 1सिल्वर
संजना कुमारी– 1 सिल्वर
जेठू गंझु– 1 सिल्वर
भाष्कर ठाकुर– 1 सिल्वर
राकेश टोप्पो –1 सिल्वर
बबली कच्छप – 1सिल्वर
सुनीता गारी – 2 ब्रोज
वर्षा रानी – 1 ब्रोज
म्मनीष मुंडा– 1 ब्रोज
पिंटू महतो - 1 ब्रोज
म्मीनू मुंडा -गोल्ड

झारखण्ड के खिलाड़ियों की इस सफलता पर झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ प्रदीप वर्मा (राज्य सभा सांसद)सहित डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू, डॉ अंशु साहू,चंचल भट्टाचार्य, कुमुद प्रसाद साहू,उदय साहू,प्रियदर्शी अमर,शैलेन्द्र कुमार, डॉ उदीप लाल,मनोज कुमार महतो, मनोज साहू, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, गोकुलनंद मिश्रा, वाहिद अली, आजाद पाठक, शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश कुमार, दीपक गोप, आशीष गोप, अमासी बारला, संजय मंडल, कार्तिक राम, दिनेश यादव, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, प्रतिमा कुमारी, बिमला टोप्पो, सुशांति तोपनो, काजल किरण, मृतुन्जय कुमार राय, शिवेंद्र दुबे व अन्य ने बधाईयां दी ।

झारखंड में अब नहीं चलेगी निजी स्कूलों की मनमानी, सरकार ने जारी किया निर्देश

विद्यालय स्तर पर शुल्क समिति व जिलास्तर पर जिला समिति का होगा गठन

संवाददाता

रांची : राज्य के निजी स्कूलों के शुल्क निर्धारण को लेकर स्कूल और जिला स्तर पर कमेटी का गठन होगा। इस संबंध में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने सभी आयुक्त व उपायुक्त को पत्र लिखा है। जिलों को भेजे गये पत्र में झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के आलोक में शुल्क समिति का गठन करने को कहा गया है। अधिनियम के प्रावधान के अनुरूप 15 दिनों के अंदर विद्यालय स्तर पर शुल्क समिति व जिलास्तर पर जिला समिति का गठन करने को कहा गया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग को भी जानकारी देने को कहा गया है।

गठित कमेटी ही करेगी फीस बढ़ोतरी के कारणों पर विचार: अधिनियम के प्रावधान के अनुरूप शुल्क निर्धारण को लेकर पहले विद्यालय स्तर पर गठित कमेटी के समक्ष इसका प्रस्ताव रखना होता है। कमेटी फीस वृद्धि के विभिन्न कारणों पर विचार करेगी। इसमें विद्यालय में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधा, प्रशासन और रख-रखाव पर होने वाले खर्च, शिक्षक और कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन, वार्षिक वेतन वृद्धि, विद्यालय की कुल आय में से विद्यार्थियों पर होनेवाला खर्च, शिक्षा के विकास और विद्यालय के विस्तार के लिए आवश्यक राजस्व समेत अन्य आवश्यक कारक को ध्यान में रखने का प्रावधान अधिनियम में है। समिति प्रस्तावित शुल्क की संरचना प्राप्त होने के 30 दिन के अंदर फीस की मंजूरी देगी।

विद्यालय की कमेटी में अभिभावक और शिक्षक रहेंगे: विद्यालय स्तर पर शुल्क निर्धारण के लिए गठित कमेटी में बच्चों के अभिभावक के साथ शिक्षक भी शामिल होंगे। प्रावधान के अनुरूप निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि कमेटी के अध्यक्ष होंगे। विद्यालय के प्राचार्य, सचिव, विद्यालय प्रबंधन द्वारा मनोनीत तीन शिक्षक व शिक्षक संघ द्वारा नामित चार माता-पिता इसके सदस्य होंगे। विद्यालय प्रबंधन को फीस निर्धारण के एजेंडा और बैठक की जानकारी एक सप्ताह पहले देना होगा। विद्यालय समिति अगर तय समय में शुल्क निर्धारण में विफल रहता है तो प्रबंधन यह प्रस्ताव जिलास्तरीय कमेटी के समक्ष रखेगा। विद्यालय में अगर पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसदी से अधिक फीस बढ़ोतरी की जाती है, तो भी इसको जिला कमेटी को भेजा जायेगा।

जिलास्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित होगी कमेटी: जिलास्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी। कमेटी में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, निजी विद्यालय के दो प्राचार्य, संबंधित क्षेत्र के सांसद और विधायक, दो अभिभावक और एक चार्टर्ड एकाउंटेंट शामिल होंगे। विद्यालय अगर जिलास्तरीय कमेटी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है, तो प्रमंडलीय आयुक्त के समक्ष इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं।

मरम्मत कार्य को लेकर 3 से 12 अप्रैल तक राजधानी में बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

रांची: राजधानी रांची के लोगों को अप्रैल महीने में बिजली की समस्या झेलनी पड़ सकती है। कहा जा रहा है कि रांची के कई बड़े इलाकों में 3 अप्रैल से 12 अप्रैल तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। दरअसल, झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड ने एक नोटिस जारी कर दिया है। नोटिस में कहा गया है कि दिनांक 3-04-2025 को गुरुवार सुबह 10 बजे से दिनांक 12-04-2025 को शाम 5 बजे तक 132/33 के। भी। ग्रिड सब स्टेशन हटिया-1 में स्थित 50 एमवीए पावर ट्रांसफर नंबर 1 का मरम्मति कार्य कराना अति आवश्यक है, जिस कारण 132/33 के।भी ग्रिड सब स्टेशन हटिया-1 से निकलने वाली फीडरों से उक्त समय तक बिजली आपूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी। जानकारी के मुताबिक राजभवन, हरमू, रातु, ब्रांबे, विधानसभा, बेड़ो आदि में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी क्योंकि इस दौरान मरम्मत का काम किया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे

(सर्वे एवं निर्माण)

ई–निविदा सूचना (सिंगल पेकेट)

उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) – द्वितीय, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई–निविदा का ऑन लाइन ई–टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। निविदाकार अपना मूल / परिवर्तित प्रस्ताव ई – निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाइन भर दें। **1.ई–टेण्डर नोटिस संख्या** : एनडब्ल्यूआर एससीसिविल–410640122 **2. कार्य का नाम व लोकेशन** : Construction of TRD maintenance depot, tower car shed, offices for staff to operate shed activities, meeting room, store room, vehicle parking at Nawa and miscellaneous building for Dedicated Test Track between GA-THMR section of Jodhpur division. **3. अनुमानित लागत** : रू. 5,00,29,295.07 **4. धरोहर राशि** : रू. 4,00,200.00 **5. कार्य पूरा होने की अवधि** : 8 (आठ) माह **6. ई–टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय** : 17.04.2025, 15.00 बजे **7. Website particulars where complete details of E-Tender can be seen** : Tender can be seen at WebSite www.ireps.gov.in under unit of Dy.CE/C/1-JP **8. Official E-Mail Address** : dyceejpl@gmail.com **Note** : 1. No manual tender will be accepted. Bid security should be in proper form. Bid security should be submitted by the tenderer only through net banking or payment GATEWAY/ or in form of BG in favour of FA&CAO / Construction, North western Railway, Jaipur.

359-DR/25

हमें NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रितों की हुई स्वास्थ्य जांच

नर सेवा ही नारायण सेवा है: डॉ नारायण

रांची: एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट की शाखा श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम पुंदाग मे परमहंस स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में आज सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम मे रह रहे मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम मे उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों का शहर के जाने माने न्यूरो सर्जन डॉ एचपी नारायण ने सबों की स्वास्थ्य की संपूर्ण जांच की एवं आवश्यकतानुसार सबों को अपनी ओर से निःशुल्क दवाईयां दी। डॉ नारायण ने स्वास्थ्य की देखभाल एवं निरोग रहने के सभी को पूर्ण जानकारी दी। जांच के समय डॉ नारायण को श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, नन्द किशोर चौधरी, एवं अशोक ठाकुर ने सहयोग किया। डॉ० एचपी नारायण ने आश्रम मे रह रहे लोगों से बातचीत कर संस्था के द्वारा किये जा रहे सेवा के इस महान कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है उन्होंने कहा प्रत्येक माह में 2 रविवार 15 दिनो के अंतराल मे अपना आश्रम आकर सभी के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। उन्होंने आश्रम की साफ सफाई की भी तारीफ की। सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि परम पूज्य गुरुजी स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में पीड़ित मानव सेवा का पावन तीर्थ प्रारंभ होने वाला झारखंड का प्रथम आश्रम है।आश्रम में प्रारंभिक दौर मे ऐसे पुरुष जो अपने जीवनकाल में अपने रिश्तेदारो, परिवारजनों से बिछुड गये हो एवं अस्पतालों, सड़क किनारे,बस स्टैंड,रेलवे स्टेशनों के आसपास असहाय एवं लाचार स्थिति में पड़े रहते है। उनको स्थानीय प्रशासन और समाज के प्रबुद्धजनों के सहयोग से एक अच्छा जीवन देने की कोशिश की जा रही है। तथा अभी अपना घर आश्रम में 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित लोगों की प्रभु सेवा की जा रही है।

चार दिवसीय नाट्य महोत्सव का उद्घाटन

रंगकर्मी समाज को जागृत करता है:ज्योति सिंह मथारू

संवाददाता

रांची: युवा नाट्यस संगीत अकादमी एवं चंद्रावती सह कांति कृष्ण फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छोटानागपुर राष्ट्रीय नाट्यस महोत्सव एवं कांति कृष्ण सम्मान समारोह 2025 का शुभ उद्घाटन मुख्यअतिथि राज्य मंत्री अल्पसंख्यक आयोग झारखंड सरकार सह उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू एवं विशिष्ट अतिथि निदेशक आसिफ इकराम निदेशक कला संस्कृति विभाग झारखंड सरकार,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा संरक्षक रवि मेहता,संगीत अकादमी के संस्थापक ऋषिकेष लाल, राकेश रमन,डॉ प्रणव कुमार बब्बू,रंजीत बिहारी, आलिशा गौतम उरांव,शशिकला पौराणिक,डॉ अनिल ठाकुर व अन्य ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर मुख्यअतिथि ने नाट्यस आयोजन कमेटी एवं सभी रंगकर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा रंगकर्मी समाज को जागृत करता है साथ ही मुख्य अतिथि ज्योति सिंह मथारू जी ने देवाशीष मुखर्जी,काजल बोस, भास्कर दत्त,मानिक घोष, राजकुमार पाठक,डॉ दानी कर्मकार,सुभाषचंद्र प्रधान, ओमप्रकाश राम एवं तपन कुमार दत्त को कांति कृष्ण सम्मान से सम्मानित किया।

उद्घाटन समारोह के बाद आज निम्नलिखित नाटक की प्रस्तुति हुई।

नाटक: धर्मो रक्षति रक्षित:

निर्देशन:राजीव सिन्हा

संस्था:झारखंड फिल्म एंड थियेटर अकादमी

कलाकार:शोभित अमन, अंजली सिन्हा,अंशु अग्रवाल, प्रिंस राजपूत,सौरभ कुमार मंडल,मुकेश प्रामाणिक, सोमकांत,अमित कुमार राज एवं चंदन कुमार

कथासार : धर्मो रक्षति रक्षित: एक लोकप्रिय संस्कृत वाक्यांश है जो महाभारत और मनुस्मृति में मिलता है। इसका अर्थ है कि धर्म की रक्षा करने पर वह (रक्षा करने वाले की) रक्षा करता है। दूसरे शब्दों में रक्षित धर्म, रक्षक की रक्षा करता है ।

यह नाटक निदेशक की एक परिकल्पना है जिसके तहत महाभारत के अलग-अलग खंडो को सम्मिश्रित किया गया है, जिसमें द्रोपदी के चीर हरण से लेकर भीष्म पितामह के कृष्ण के साथ अंतिम वातार्लाप के माध्यम से धर्म की रक्षा का पाठ समझाया गया है । इस नाटक में द्रौपदी,दुर्योधन,कर्ण, भीष्म पितामह,वेदव्यास एवं श्री कृष्ण के दो अलग अलग अवतार भी हैं । अंतत यह स्पष्ट होता है कि धर्म की रक्षा करने वाला व्यक्ति स्वयं धर्म की रक्षा का पात्र बनता है। यह एक पारस्परिक संबंध है, जहां धर्म की रक्षा करने से व्यक्ति को भी धर्म की रक्षा मिलती है।

आज के नाट्यस समारोह को सफल बनाने में मुख्यरूप से प्रसिद्ध नारायण मिश्रा,अभिनव कुमार,विनोद जायसवाल, जयदीप सहाय,ऋषिका कुमारी, बजरंग शर्मा,कामिनी ताम्रकार, रितिका कुमारी व अन्य ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्य में कोई भी सुरक्षित नहीं: सुनील कुमार सिंह

रांची: भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि झारखंड की स्थिति भयावह हो चुकी है। बीते बृहस्पतिवार को पूरे दिन लचर कानून व्यवस्था को लेकर शहर बंद रहा, बावजूद देर शाम अपराधियों ने रवि स्टील चौक के समीप विशाल फुटवियर व्यवसायी भूपल साहू का गला कर हत्या कर दिया । श्री सिंह ने कहा कि एक दिन पूर्व दिनदहाड़े भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या, लगातार हिंदुओं के त्योहार पर पत्थरबाजी और आगजनी एवं रांची को अपराध की राजधानी बनाने के बाद, हेमंत सरकार के कांग्रेसी वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर जी का बयान की राज्य में इससे बेहतर कानून व्यवस्था कभी नहीं था। बताइए ऐसी बयान राज्य के लिए कितना दुर्भाग्यपूर्ण है? रांची शहर क्राइम कैपिटल बन चुकी है? शासन और प्रशासन लाचार नजर आ रहे हैं? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आखिर पुलिस प्रशासन भी क्या करे रांची बंदी में शामिल भाजपा नेताओं को अरेस्ट करे, कि अपराधियों पर ध्यान केंद्रित करे?आखिर पुलिस प्रशासन करे तो करे क्या? अपराधियों पर नजर रखने से ज्यादा जरूरी था भाजपा कार्यकताओं को नजरबंद करना! आखिर हेमंत सरकार में उन्हें प्रमोशन जो पाना है?

एचडीएफसी बैंक के खलारी शाखा का उद्घाटन

रांची: एचडीएफसी बैंक की नई शाखा का खलारी में उद्घाटन हुआ। शाखा का उद्घाटन महाप्रबंधक, सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। उदघाटन के मौके पर अपने संबोधन में दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि इस क्षेत्र में बैंक के खुलने से लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी । क्षेत्र के विकास में बैंक सहभागी बनेगा और क्षेत्र की सारी बैंकिंग समस्या का हल होगा। इस मौके पर एचडीएफसी बैंक के जोनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि इस शाखा में बैंकिंग से संबंधित सारी सुविधाएं दी जाएगी और आस पास के लोगों की डे टू डे बैंकिंग आसन हो जाएगी।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता महिला दुलारी बारला, वर्तमान उम्र लगभग–42 वर्ष, पिता–स्व0 मगन बारला, सा0–अरानी सराईपानी, गिरजाटोली, थाना–सिमडेगा, जिला– सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड, जिसे काम करने के लिये वर्ष–2000 में दिल्ली गयी थी। जो अबतक वापस घर नहीं आयी । गुमशुदा महिला की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिनका विवरणी निम्नवत् है:–

हुलिया की विवरणी :–

लिंग :– स्त्रीलिंग
उम्र :– वर्तमान उम्र–42 वर्ष
रंग :– साँवला
बाल :– काला
ऊँचाई :– 5 फीट 3 ईंच
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी ।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता महिला के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष न0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706231
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री न0 – मोबाइल न0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा

PR 349335 Simdega(24-25).D

बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर पर साधा निशाना,कहा-

राज्य में कानून व्यवस्था बदहाल, लोगों में दहशत

बाबूलाल ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने 'बंद' में योगदान दिया

संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को रांची में भाजपा नेता अनिल टाइगर की हत्या के विरोध में पार्टी द्वारा बुलाए गए 'बंद' का समर्थन करने वालों का आभार व्यक्त किया। मीडिया को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा, सबसे पहले, भाजपा की ओर से, मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने 'बंद' में योगदान दिया। यह बंद विशेष रूप से राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर था। उन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान जनता को हुई किसी भी असुविधा के लिए माफी भी मांगी। उन्होंने कहा, मैं उन सभी लोगों से माफी मांगता हूं, जिन्हें बंद के दौरान किसी भी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। यही वजह है कि हत्या, डकैती, अपहरण जैसे अपराध दिनदहाड़े हो रहे हैं। इससे पहले दिन में अनिल टाइगर की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। यह प्रदर्शन भाजपा द्वारा अपने नेता की हत्या के विरोध में बुलाए गए रांची बंद का हिस्सा था।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी अनिल टाइगर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन में हिस्सा लिया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सेठ ने कहा, मैं एक जनप्रतिनिधि के तौर पर मूकदर्शक नहीं रह सकता। रांची अपराध की राजधानी बन गई है।

हेमंत सोरेन की सरकार में कानून का राज खत्म हो गया है। यह जंगल राज है। मैं कहता हूं कि यहां 'योगी' मॉडल लागू होना चाहिए। सुबह डीएसपी मेरे आवास पर आए। मुझे सुरक्षा या गेस्ट हाउस में बैठने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मैं एक जनप्रतिनिधि हूं। एसपी सिटी-रांची राज कुमार मेहता ने कहा, मामले में पुलिस कार्रवाई चल रही है। यहां अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। हम सामान्य स्थिति बहाल करने और यहां दुकानें खोलने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि 'बंद' लागू करना संवैधानिक अधिकार नहीं है। इससे पहले, अनिल टाइगर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव को पुलिस ने हिरासत में लिया था। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, अपराधियों को पकड़ने की बजाय, शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे राजनीतिक नेताओं को पुलिस उठा ले जा रही है। भाजपा नेता ने पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल टाइगर की हत्या को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और रांची को अपराध की राजधानी करार दिया। जिस तरह से अनिल टाइगर की हत्या की गई, वह भाजपा के वरिष्ठ नेता थे। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। रांची अपराध की राजधानी बनती जा रही है। थाने से महज 25 मीटर की दूरी पर, दिनदहाड़े एक जनप्रतिनिधि की हत्या कर दी गई। आज, पुलिस मुझे हिरासत में लेने आई है। काश पुलिस ने यह प्रयास तब दिखाया होता जब उन पर गोलियां चलाई गई थीं, शाहदेव ने एएनआई से कहा। झारखंड भाजपा नेता अनिल टाइगर की बुधवार को रांची में हत्या कर दी गई। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि हत्या के एक आरोपी को पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

कोलेबिरा थाना यु0डी0 काण्ड सं0–16/24, दिनांक–01.10.2024 अज्ञात पुरूष शव के विरूद्ध दर्ज किया गया है। जो दिनांक–30.09.2024 को शाम 07:00 बजे जागटोली, कोलेबिरा पुलिया के नीचे बेहोशी की मिला था, जिसे एम्बुलेंस के माध्यम से ईलाज हेतु कोलेबिरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाया गया, जहाँ ईलाज के क्रम में उसकी मृत्यु हो गयी है। उस अज्ञात शव के परिजनों के बारे में कहीं पता नहीं चला है ।

अज्ञात शव का हुलिया एवं फोटो का विवरणी निम्नवत् है:–
लिंग :– पुरूष
आयु :– करीब 40 वर्ष
ऊँचाई :– करीब 5 फीट 5 ईंच
शरीर :– सामान्य
बाल :– काला।
पहनावा– लाल सेंडो गंजी, ब्लु ट्राउजर एवं उपर से हॉफ पिला रंग का जर्सी।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अज्ञात व्यक्ति का शव के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष न0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
थाना प्रभारी, कोलेबिरा – मोबाइल न0–9431706233
डी0सी0बी0 प्रभारी, सिमडेगा – मोबाइल न0–6709697066

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा

PR 349333 Simdega(24-25)#D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

मानवीय रिश्तों का बदलता गणित

रिश्ते, प्रेम और अपराध के बीच पनपने वाली तिकड़ी आज भारतीय समाज को व्यथित और चिंतित कर रही है। ऐसा तब हो रहा है जब कि कोई भी व्यक्ति रिश्तों में ही जन्म लेता है, उसी में पलता और उसी के सहारे जीवन-यात्रा में आगे भी बढ़ता है। वस्तुतः इन रिश्तों का जैविक आधार है जो माँ के पेट में स्थित गर्भ के साथ अनिवार्य जुड़ाव की व्यवस्था और अवस्था में शुरू होता है। यह एक अटूट, अपरिहार्य और अनिवार्य बंधन में बांधता है। अतः इस रिश्ते को जीवनपर्यंत चलते रहने की प्रासंगिकता बनी रहती है।

सच कहें तो नया जीव अपने जनक (पिता) और जननी (माता) का उत्पाद होने के कारण वास्तविक अर्थ में उन दोनों का ऋणी होता है। कदाचित इसीलिए भारतीय समाज में ऋण की अवधारणा प्राचीन काल से सबके मन में बसी आ रही है। यह पीढ़ियों के बीच पारस्परिकता की सुदृढ़ आधारशिला रचती है। इसे बनाए रखने में संयुक्त परिवार और अन्य सहायक सामाजिक संस्थाओं और मान्यताओं की सहायक भूमिका थी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस तरह की व्यवस्था अधिकांश क्षेत्रों में चलती रही है। आधुनिक युग में विस्थापन, पलायन, आव्रजन (माइग्रेशन) ने इस तरह की व्यवस्था को चुनौती दी है। जीवन को सुखी बनाने में आर्थिक तत्वों की बढ़ती आत्यन्तिक भूमिका के चलते जीवन की परिस्थितियाँ तेजी से उलट-पलट रही हैं। इन सबके प्रभाव में युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा भ्रमित हो रहा है और रिश्तों की अहमियत को नहीं पहचान पा रहा है। वह इन्हें नजर अन्दाज कर रहा है और उसे स्वच्छंदता के दायरे में नए ढंग से परिभाषित करने में जुटा हुआ है। वह माता-पिता पक्ष के तमाम रिश्तों (यथा-मौसेरे, चचेरे, ममेरे, फुफेरे आदि) के लफड़े में नहीं पड़ना चाहता। इस तरह के सभी रिश्तों को अपने लिए अनावश्यक बंधन मानता है और सिर से उतार फेंकना चाहता है। अपने जीवन और कर्म में बाधा समझ कर वह इनसे किनारा रखता है। वह अक्सर उनकी अवहेलना और उपेक्षा करता है। और तो और अब रिश्तों से अलगाव की श्रेणी में माता-पिता भी शामिल होने लगे हैं। इसकी पुष्टि वृद्ध माता-पिता की देखरेख न करने की बढ़ती घटनाओं में आसानी से देखी जा सकती है। बचपन में माता-पिता या किसी प्रौढ़ अभिभावक की देखरेख के अभाव में शिशु के जीवन यानी उसके अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। एक शिशु माता-पिता के साथ के रिश्तों के केंद्र में रहता है परंतु उम्र के साथ रिश्तों की दिशा, विस्तार और वरीयता बदलती है। किशोर और युवा होते-होते वह परनिर्भर (डिपेंडेंट) शिशु आत्मनिर्भर (इंडिपेंडेंट) होने लगता है। फिर वह समय भी आता है जब शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के दौरान वह रिश्तों की बागडोर अपने हाथों में लेकर उनकी दिशा बदलने लगता है। इस कार्य में भावनात्मक परिवर्तन खास भूमिका अदा करते हैं जो किशोरावस्था विशेष रूप से सक्रिय होते हैं। लड़के और लड़कियाँ एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं। व्यक्ति के विकास के चरणों का एक क्रम प्रत्येक संस्कृति में मिलता है। इसमें रिश्तों की बनावट और बुनावट केंद्रीय महत्व की होती है। व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक जीवन-रस रिश्तों से ही मिलता है। पिछले कुछ दिनों में ऐसी घटनाओं की खबरें मीडिया में तेजी से आ रही हैं जिनमें निजी रिश्तों में बढ़ती दरारों के चलते बहुत कुछ अवांछित हो रहा है। खासकर उन रिश्तों में जो युवाओं द्वारा खुद अपने निर्णय से सामाजिक मान्यताओं के अंकुश से परे जाकर अंजाम दिए जाते हैं। एक बात साफ है कि इन बेहद निजी मामलों के मूल में अक्सर भावनात्मक त्रासदी ही मुख्य है। पारस्परिक अविश्वास के कारण प्रतिशोध, धोखा और असंतोष की भावना तेजी से बढ़ती है। इस प्रसंग में यह भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि आक्रामकता को आज एक परिपक्व और प्रौढ़ व्यक्तित्व की निशानी माना जा रहा है। एक सीमा के बाद रिश्तों के बीच उपजा भावनात्मक संघर्ष प्रज्वलित होकर हिंसक रूप लेने लगता है। हिंसा भड़कने पर बहुत कुछ जीवनविरोधी घटित होने लगता है। आज इस तरह की परिस्थितियों में न केवल आत्महत्याएँ हो रही है बल्कि एक-दूसरे की जान तक ले ली जा रही है। इन स्वयंभू रिश्तों के बीच भावनात्मक उबाल बड़ी आसानी से अकेले व्यक्ति के स्व या आत्म के बोध को प्रभावित करता है। अहम को पहुँच रही चोट की तीव्रता उनमें गहरे मानसिक आघात को जन्म देती है। तब पति, पत्नी, साथी और प्रेमी एक-दूसरे की हत्या तक करने के लिए तैयार हो जाते हैं। मौका पाते ही वे ऐसे जघन्य और आपराधिक कार्य को अंजाम देने में भी नहीं हिचकते। आज सहिष्णुता के सिमटते दायरों के बीच आपसी रिश्तों में दरारें तेजी से बढ़ रही हैं। इस संदर्भ में यह गौरतलब है कि आज तलाक और अलग-अलग जीवन बिताने (सेपेरेशन) के फैसले बड़ी आसानी से लिए जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानों विवाह के बाद तलाक अगला संस्कार है। अकेले, स्वतंत्र और अपने ढंग से अमर्यादित जीवन जीने की प्रवृत्ति आधुनिकीकरण की पहचान होती जा रही है। इसके अंतर्गत जुड़ने और निजी जीवन को अपने पसंदीदा ढंग से जीने की छूट ली जाती है। इसलिए ह्वलिव-इन रिलेशनशिपह्न का स्वेच्छाचार स्त्री-पुरुष के बीच अनर्गल शारीरिक संबंध बनाने की पर्याप्त छूट दे देता है। इस पर कोई सामाजिक नियंत्रण नहीं रहता है और अब इसे प्रौढ़ जीवन जीने की एक विधा मानी जाने लगी है। आत्म-निर्णय और एक-दूसरे के साथ रहने की मौखिक सहमति ही इसके लिए पर्याप्त होती है। इसे गैर-नाजायज मान कर विहित की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे रिश्तों के संदर्भ में समाज के मानक और परिवार की स्वीकृति की भूमिका गौण होती है। ऐसे बहुतेरे मामलों में ऊपरी आकर्षण ही प्रमुख होता है जो टिकाऊ नहीं होता है। जब यह आकर्षण आयु बढ़ने या किसी तीसरे के प्रति आकर्षण के कारण घटता है या ऊब, थकान के कारण नीरस और बासी पड़ने लगता है तो दोनों व्यक्तियों के बीच जुड़ने और जुड़े रहने का कोई ठोस आधार नहीं बचता और वे अलग हो जाते हैं। जब इस घटनाक्रम में प्रतिशोध और अविश्वास को अवसर मिलता है तो अपने साथी को पीड़ित करने, दंडित करने की सोच प्रबल होने लगती है। चूँकि ऐसे जोड़े अपने को दूसरों से (समाज से) काट कर रखते हैं, कोई समाधान की दिशा नहीं मिलती और अवसर पाकर उनके मन में हत्या जैसे घोर कदम उठाने की तैयारी होने लगती है। समय पर हस्तक्षेप न होने पर वे ऐसे आपराधिक कृत्य को अंजाम देने में सफल हो जाते हैं।

रिश्तों के इस बदलते परिदृश्य में कई किरदार सक्रिय होते दिखते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ एक तरह के उदार नजरिये को अपनाना और उच्छृंखल संबंधों की मीडिया, फि ल्म और समाज में लगातार प्रस्तुति और स्वीकृति इस स्थिति को बढ़ावा दे रहे हैं। आज निरंकुश मीडिया से छन कर जो ज्ञान-विज्ञान और अज्ञान की बाढ़ आ रही है उससे भयानक मानसिक प्रदूषण एक महामारी के रूप में फैल रहा है। उसकी चपेट में बच्चे, जवान और बूढ़े सभी आ रहे हैं। इसके ऊपर अंकुश का उपाय तात्कालिक आवश्यकता है। उद्दाम आकांक्षाओं के अनंत आकाश में उड़ान भरने की असीमित कामनाएँ और आत्म नियंत्रण एवं आत्म विवेक की जगह आत्म-प्रकाशन को मूल्य के रूप में स्थापित करना भी आज की परिस्थिति पैदा करने में सहायक हो रही है। निर्द्वंद्व स्वेच्छाचार की छूट के बढ़ते प्रत्यक्ष और परोक्ष बहाने आज के स्वतंत्र मानस वाले मानुष को सीमाओं को तोड़ने और वर्जनाओं को खारिज करने को निरंतर उकसाते हैं।

रिश्तों की झीनी चादर के ताने-बाने कैसे चलें और इसकी बुनावट कैसी हो, यह एक सांस्कृतिक प्रश्न या चुनौती है जिस पर गम्भीर विचार की जरूरत है पर तात्कालिक दबावों के बीच इसके लिए आवश्यक उपक्रम बौने, छिछले और दिखावटी साबित हो रहे हैं।

जैव अर्थव्यवस्था की बढ़ती महत्ता

दुनिया जैव–नवाचार द्वारा संचालित एक नई औद्योगिक क्रांति के कगार पर है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की जैव अर्थव्यवस्था नवाचार, समृद्धि और बढ़ते वैश्विक महत्व की एक आकर्षक कहानी है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार भारत की जैव अर्थव्यवस्था 2014 में 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 165.7 बिलियन डॉलर हो गई है।

पंकज जगन्नाथ जयसवाल

जैव अर्थव्यवस्था आर्थिक रूप से तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। जैव अर्थव्यवस्था का वर्तमान वैश्विक मूल्य 4 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है और कुछ अनुमानों से संकेत मिलता है कि यह 30 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ सकता है, जो विश्व आर्थिक मूल्य का एक तिहाई है। दुनिया जैव-नवाचार द्वारा संचालित एक नई औद्योगिक क्रांति के कगार पर है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की जैव अर्थव्यवस्था नवाचार, समृद्धि और बढ़ते वैश्विक महत्व की एक आकर्षक कहानी है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार भारत की जैव अर्थव्यवस्था 2014 में 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 165.7 बिलियन डॉलर हो गई है। उन्होंने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में BIRAC स्थापना दिवस समारोह के दौरान भारत जैव अर्थव्यवस्था रिपोर्ट 2025 जारी की। उन्होंने कहा कि यह घातीय वृद्धि भारत की भविष्य की आर्थिक सफलता के महत्वपूर्ण चालक के रूप में जैव प्रौद्योगिकी के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। विश्व जैव अर्थव्यवस्था मंच द्वारा किए गए मूल्यांकन में, जैव अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी, जैव संसाधन या जैव पारिस्थितिकी दृष्टिकोण का उपयोग किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और भारत जैव प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जबकि यूरोपीय संघ जैव संसाधन और जैव पारिस्थितिकी दृष्टिकोण की ओर अधिक झुका हुआ है। अब ऐसे संकेत हैं कि दृष्टिकोणों को और अधिक गहन बनाने के लिए विस्तारित किया जा रहा है ' इस प्रकार, यह विषय नया नहीं है। जो नया है वह यह है कि डिजिटलीकरण, स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नए उपकरण इस क्षेत्र की विकास गतिविधि को तेज कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप तेजी से उत्पाद लॉन्च हो रहे हैं और निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है। चीन के राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग के अनुसार, नई योजना 14वीं पंचवर्षीय योजना की आवश्यकताओं को पूरा करती है, जिसने जैव प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के एकीकरण और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ जैव चिकित्सा, जैविक प्रजनन, जैव सामग्री, जैव ऊर्जा और अन्य उद्योगों के विकास को गति देने का संकल्प लिया है ताकि जैव अर्थव्यवस्था को व्यापक और मजबूत बनाया जा सके। योजना के अनुसार, जैव अर्थव्यवस्था- एक ऐसा मॉडल जो चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वानिकी, ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, सामग्री और अन्य क्षेत्रों को गहराई से एकीकृत करते हुए जैविक संसाधनों की सुरक्षा और उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है- 2025 तक उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने में एक प्रमुख प्रेरक शक्ति बन जाएगा। 2025 तक, सकल घरेलू उत्पाद में जैव अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त मूल्य का अनुपात लगातार बढ़ेगा और चीन में कम से कम 10 बिलियन युआन ($ 1.5 बिलियन) के वार्षिक राजस्व के साथ जैव अर्थव्यवस्था फर्मों की संख्या में बड़ी वृद्धि दिखने की उम्मीद है। 2035 तक, चीन समग्र शक्ति के मामले में वैश्विक जैव अर्थव्यवस्था में सबसे आगे रहने की उम्मीद करता है। जैव अर्थव्यवस्था में 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था को 10 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने की क्षमता है। चीन पहले ही अपनी जैव अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है; लेकिन, इस क्षेत्र में हमारी मूलभूत ताकत को देखते हुए, यदि केंद्र सरकार के प्रयासों को राज्य और स्थानीय सरकारों और समाज के प्रयासों के साथ जोड़ दिया जाए, तो हम निःस्संदेह वैश्विक बाजार पर हावी हो जाएंगे। आर्थिक विकासः जैव अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था को कृषि और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में नए उद्योग, उद्यम और रोजगार के अवसर पैदा करके और साथ ही देश के आर्थिक आधार में विविधता लाकर विकास करने में सहायता कर सकती है। खाद्य सुरक्षाः यह कृषि उत्पादकता और मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाकर, पौष्टिक, जलवायु-अनुकूल फसलें पैदा करके और किसानों को जैव उर्वरक जैसे नवीन जैव प्रौद्योगिकी और जैविक विकल्प प्रदान करके भारत की खाद्य सुरक्षा में सुधार कर सकती है। स्वास्थ्य सेवाः जैव अर्थव्यवस्था में प्रगति से नई फार्मास्यूटिकल्स, टीकाकरण की खोज हो सकती है और स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और लागत बेहतर हो सकती है, जिससे स्वास्थ्य परिणामों में सुधार हो सकता है। हीमोफीलिया ए के लिए भारत के पहले जीन थेरेपी क्लिनिकल परीक्षण को मंजूरी दी गई है, जिससे आनुवंशिक रक्त विकारों के उपचार को बढ़ावा मिलेगा। रोजगार के अवसरः जैव अर्थव्यवस्था में भारत में रोजगार सृजन की क्षमता है, विशेष रूप से बायोफार्मास्यूटिकल्स और बायोएनर्जी जैसे उद्योगों में, साथ ही बायो-मैन्युफैक्चरिंग हब के विकास के माध्यम से टियर 2 और 3 शहरों में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित किया जा सकता है। जैव स्टार्टअपः भारत की जैव अर्थव्यवस्था एक संपन्न स्टार्टअप वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत में बायोटेक स्टार्टअप की संख्या 2023 में 8,531 से बढ़कर 2030 में 35,000 होने का अनुमान है। नियार्तः भारत कम लागत वाली दवाइयों और टीकों के दुनिया के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है; बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर उद्योगों में अतिरिक्त विस्तार से भारत के निर्यात में सुधार हो सकता है। उदाहरण के लिए, भारतीय निमार्ताओं ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) द्वारा ऑर्डर की गई पूरी वैक्सीन मात्रा का 25% प्रदान किया।

पर्यावरणीय लाभः जैव अर्थव्यवस्था बंद लूप उत्पादन और खपत के माध्यम से अपशिष्ट को कम करके और संसाधन दक्षता को अधिकतम करके परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है। उदाहरण के लिए कृषि अपशिष्ट को बायोगैस (अवायवीय पाचन) में बदला जा सकता है, बचे हुए हिस्से का उपयोग पोषक तत्वों से भरपूर उर्वरक के रूप में किया जा सकता है, जिससे अपशिष्ट कम होगा और पुनः उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदूषण को कम करनाः जैव-उर्वरक और जैव-कीटनाशक जैसे जैव-अर्थव्यवस्था उत्पाद पर्यावरण में खतरनाक रसायनों को कम करते हैं, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में भी सुधार करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में भारत की जैव अर्थव्यवस्था मामूली $10 बिलियन से बढ़कर $165.7 बिलियन हो गई है, जो 2025 तक $150 बिलियन के शुरूआती लक्ष्य से कहीं ज्यादा है,₹ जो वर्तमान में कुल सकल घरेलू उत्पाद का 4.25% योगदान देता है। पिछले चार वर्षों में इस क्षेत्र में 17.9% की सीएजीआर की वृद्धि हुई है, जो वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में भारत की क्षमता को उजागर करता है। सरकार ने बायोसारथी की भी घोषणा की है, जो जैव प्रौद्योगिकी उद्यमियों को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक अभूतपूर्व विश्वव्यापी मेंटरशिप पहल है। छह महीने के समूह के रूप में डिजाइन किया गया बायोसारथी संगठित मेंटर-मेंटी एक्सचेंज की सुविधा प्रदान करेगा और युवा जैव प्रौद्योगिकी उद्यमियों को व्यक्तिगत सहायता प्रदान करेगा। सरकार ने हाल ही में स्थापित बायो ई-3 (इक्ड-ए3) नीति- अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण के लिए जैव प्रौद्योगिकी- पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य उद्योग में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के तहत बायो-एआई हब, बायो फाउंड्रीज और बायो-एनेबलर हब जैसी पहल की स्थापना की जाएगी, ताकि बायोमैन्युफैक्चरिंग के साथ परिष्कृत तकनीकों को एकीकृत किया जा सके। असम बायो ई-3 ढांचे को अपनाने वाला पहला राज्य है, जो अखिल भारतीय कार्यान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नवाचार के लिए एक जबरदस्त अभियान में, भारत का बायोटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम एक दशक पहले 50 स्टार्टअप से बढ़कर आज 10,075 से अधिक हो गया है, जो सार्वजनिक-निजी भागीदारी और सक्षम वातावरण बनाने के लिए नीति-संचालित दृष्टिकोण के कारण दस गुना वृद्धि है। जैव प्रौद्योगिकी के औद्योगिक और कृषि अनुप्रयोग जीवाश्म ईंधन और ऊर्जा पर निर्भरता को कम करते हैं, संसाधन स्थिरता को बढ़ावा देते हैं और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करते हैं। क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और नीति निर्माण और सुधार में भारत सरकार द्वारा की गई उल्लेखनीय पहलों के साथ भारत दुनिया में एक मजबूत जैव आर्थिक पदचिह्न स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुस्लिम आरक्षण का खेल खेलती कांग्रेस

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि मुस्लिमों का ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण बरकरार रखने के लिए जरूरत पड़ी तो संविधान में भी बदलाव करेंगे। रिजिजू ने इस मुद्दे को बारी–बारी से संसद के दोनों सदनों में उठाया। इसे लेकर भारी हंगामा हुआ। इस मुद्दे का समर्थन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेस बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को बदलना चाहती है, क्योंकि इसमें साफ लिखा है ।

प्रमोद भार्गव

कर्नाटक में मुसलमानों को सार्वजनिक ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर संसद में भारी हंगामा हुआ। भाजपा सांसदों ने इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जो संवैधानिक पद पर बैठे हैं, कह रहे हैं कि पार्टी संविधान बदलकर मुस्लिमों को आरक्षण देगी। दरअसल, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि मुस्लिमों का ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण बरकरार रखने के लिए जरूरत पड़ी तो संविधान में भी बदलाव करेंगे।

रिजिजू ने इस मुद्दे को बारी-बारी से संसद के दोनों सदनों में उठाया। इसे लेकर भारी हंगामा हुआ। इस मुद्दे का समर्थन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि ह्यकांग्रेस बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को बदलना चाहती है, क्योंकि इसमें साफ लिखा है कि धर्म के आधार पर किसी को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता है। परंतु कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ऐसा करने जा रही है। संविधान बदलने का बयान संवैधानिक पद पर बैठे ऐसे व्यक्ति ने दिया है, जिसे हल्के से नहीं लिया जा सकता है। यही नहीं, कर्नाटक में कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार ने ओबीसी, एससी और एसटी युवाओं का हक मारकर मुसलमानों को 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया था। जबकि हमारे संविधान में धर्म आधारित आरक्षण की कोई जगह नहीं है। अतएव इस तरह के प्रयास संविधान निमार्ताओं की देशहित से जुड़ी इच्छाओं के विरुद्ध हैं। बावजूद कांग्रेस मुस्लिमों को धर्म आधारित आरक्षण देने के तुष्टिकरण से जुड़ा खेल निरंतर खेलती आ रही है। कांग्रेस की सोच हमेशा से तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति की रही है। 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने चार बार आंध्रप्रदेश में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वे अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए। दरअसल, यह कांग्रेस का ह्यपायलट प्रोजेक्टह्व था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। अल्पसंख्यक बनाम मुस्लिमों को पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के संविधान में निर्धारित कोटा के अंतर्गत 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने की की मंशा हमेशा रही है लेकिन न्यायालय के हस्तक्षेप के चलते इस मंशा को पलीता लगता रहा है। इस आरक्षण को लेकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के बाद देश की सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध दायर आपील को खरिज कर दिया था। केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश चाहती थी। इस मंशा के विपरीत कोर्ट ने सरकार से यह और स्पष्ट करने को कहा था कि वह बताए कि उसने किस आधार पर अल्पसंख्यकों को 4.5 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया ? कोर्ट ने यह भी कहा था कि क्या इस तरह कोटे में उप कोटा आरक्षित करने का सिलसिला चलता रहेगा ?

दरअसल, आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने धर्म के आधार परह्न आरक्षण का लाभ संविधान के विरुद्ध बताया था। दिसम्बर 2011 के बाद से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन कुटिल चतुराई से ओबीसी के कोटे में खासतौर से मुस्लिमों को लुभाने के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान कर दिया गया था। इसे आंध्र उच्च न्यायालय ने अस्वीकारते हुए साफ किया था कि कोटा के अंतर्गत उप कोटा दिए जाने का प्रावधान अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए दिया गया है। इसे कानूनी रूप देते हुए कहा गया है कि अल्पसंख्यकों से संबंधित और अल्पसंखयकों के लिए जैसे वाक्यों का जो प्रयोग किया गया है वह असंगत है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले का व्यापक असर होना तय था। क्योंकि यह प्रावधान आईआईटी जैसे केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में भी लागू हो गया था। बहरहाल, न्यायालय के फैसले के बाद कांग्रेस का मुस्लिमों को लुभाने वाले नुस्खे पर पानी फिर गया था। वंचित समुदाय वह चाहे अल्पसंख्यक हों अथवा गरीब सवर्ण, उनको बेहतरी के उचित अवसर देना लाजिमी है, क्योंकि किसी भी बदहाली की सूरत, अल्पसंख्यक अथवा जातिवादी चश्मे से नहीं सुधारी जा सकती। खाद्य की उपलब्धता से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उनको हासिल करना मौजूदा दौर में केवल पूंजी और शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में आरक्षण के सरोकारों के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अपरिहार्य योग्यता के दायरे में न आ पाने के कारण उपेक्षित ही रहेंगे। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे बटोर ले जाएंगे जो आर्थिक रूप से पहले से ही सक्षम हैं और जिनके बच्चे पब्लिक स्कूलों से पढ़े हैं। इसलिए इस संदर्भ में मुसलमानों और भाषायी अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की वकालत करने वाली रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्ट के भी कोई बुनियादी मायने नहीं रह गए थे। यह रिपोर्ट भी मुसलमानों को संवैधानिक प्रावधानों में आरक्षण जैसे विकल्प खोलने के लिए तैयार कराई गई थी। संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार धर्म, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर राष्ट्र किसी भी नागरिक के साथ पक्षपात नहीं कर सकता। इस दृष्टि से संविधान में विरोधाभास भी हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, उसके अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य धर्म समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच स्पष्ट विभाजक रेखा है, जो समता और सामाजिक न्याय में भेद करती है। इसी तारतम्य में पिछले पचास सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट इसी भेद को दूर करने की पैरवी करती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्या था भगवान शंकर के गले में लटकी एक सौ आठ नरमुंडों की माला

भगवान शंकर देवी पार्वती को अमरनाथ गुफा में लेकर, आध्यात्म के गूढ़ रहस्यों से पर्दा हटा रहे हैं। वे देवी पार्वती के माध्यम से, समस्त मानव जाति को भक्ति का शाश्वत संदेश देना चाहते हैं। आज की यह रात्रि, केवल बाहरी रुप से ही रात्रि नहीं थी। अपितु बोद्धिक स्तर भी अज्ञान की रात्रि थी। बाहरी रात्रि का नाश जैसे सूर्य अथवा अन्य प्रकाश स्त्रोत से होता है। ऐसे ही अज्ञान का नाश ब्रह्म ज्ञान के प्रकाश से होता है। देवी पार्वती से भगवान शंकर पूछ रहे हैं, कि क्या वे मानती हैं, कि मैं भगवान हूं, अथवा एक साधारण तपस्वी हूं? रावण मुझे क्यों नहीं समझ पाया। उसने भी कोई कम कठोर तप नहीं किया था। वह भी महान तपस्वी था। उसने भी मुझे दसों बार अपना सीस काट कर चढ़ाया था। क्या पार्वती भी रावण की अज्ञानता वाली श्रेणी की तो नहीं थी?

इसके प्रतिउत्तर में देवी पार्वती ने कहा था, कि वह भोले नाथ को साक्षात ईश्वर के रुप में ही देखती है। तब भगवान शंकर बोले-हे पार्वती! तुम्हारे पास क्या मापदण्ड हैं, कि मैं ही ईश्वरीय अवतार हुँ। संसार में अपनी-अपनी बुद्धि अनुसार, मेरा कद मापने के, सबके अपने-अपने अनेकों आधार हो सकते हैं। लेकिन जो शाश्वत मार्ग शास्त्रें बताया गया है, क्या उस आधार पर किसी ने मुझे तोला है? देवी पार्वती सोच में पड़ गई, कि शास्त्रें में ऐसी कौन सी विधि लिखी रह गई, जो हमारे सुनने में नहीं आई? अब क्योंकि देवी पार्वती अपने पूर्व जन्म के कटु अनुभवों से आहत व भयाक्राँत थी, तो उन्होंने समर्पित होने में ही अपना कल्याण समझा। वे भगवान शंकर को समस्त पीड़ायों व उलझनों के समाधान हेतु, उनके श्रीचरणों में गिर गई।

तब भगवान शंकर प्रसन्न होकर बोले-हे देवी! तुम्हारे प्रेम व समर्पण से मेरा मन गदगद है। तुम्हारे निश्चल मन की भावना से उपजे भावों के कारण ही, संपूर्ण संसार को एक महान संदेश मिलने जा रहा है। जिसमें सबका कल्याण छिपा है। वास्तव में मेरा रुप जो संसार अथवा तुम देखती हो, वह यह नहीं है। मेरा यह रुप तो नश्वर है। काल के आधीन है। किंतु यह भी सत्य है, कि मैं नश्वर व कालाधीन नहीं हुँ। अगर मेरे उस रुप को जानना है, तो बाहरी चर्म चक्षुयों, व बुद्धि से दिखाई देने वाला ज्ञान सार्थक नहीं है। क्योंकि मैं एक दिव्य व विराट प्रकाश रुप हुँ, तो उसे तुम्हारे इन बाहरी चक्षुयों से दृष्टिपात नहीं किया जा सकता। क्योंकि यह चक्षु तो माया रुपी संसार को देखने के लिए बनाये गये हैं। रावण भी सोचता था, कि मेरे पास तो बीस नेत्र हैं। भला मुझसे भगवान शंकर को देखने में कैसे गलती हो सकती है? मैं जगत के उस पार देख सकता हुँ, तो सामने भोले नाथ को देखने में भला मुझे क्या समस्या होगी? बेचारा रावण! अज्ञानता के इसी भ्रम में मारा गया। उसे लगा ही नहीं, कि मेरा वास्तविक रुप यह नहीं है। हे देवी! सती रुप में भी तुमसे यही गलती हुई थी। तुम मुझे एक साधारण तपस्वी व मानव समझती रही। किंतु आज मैं चाहता हुँ, कि तुम मेरे अदृष्य व दिव्य रुप से परिचित हो।

सेहत

बार-बार कब्ज होना कहीं बवासीर का खतरा तो नहीं...

क्या आपका पेट हफ्ते में 2–3 बार ही साफ हो पाता है, तो इस समस्या को भूलकर भी इग्नोर न करें। यह चेतावनी कब्ज की हो सकती है जोकि आगे चलकर खरनाक समस्या बन सकती है। डॉक्टर के मुताबिक, बवासीर, खूनी बवासीर और फिर फिशर का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान रहते हैं, तो आप कब्ज से राहत पाने के लिए इन 6 फलों का सेवन कर सकते हैं।

कीवी का सेवन करें : एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि डेंगू के इलाज में कीवी का सेवन करना चाहिए। कीवी खाने से इम्यूनिटी बढ़ाती है और इंफेक्शन में राहत मिलती है। इस फल को खाने से डायजेशन तेजी से होता हैं क्योंकि इसमें फल के अंदर एक्टीनिडीन होता है।

नाशपती : नाशपती फल के अंदर सोर्बिटोल होता है। यह एक शुगर एल्कोहॉल होता है, जो लैक्सेटिव की तरह काम करता है। इसके अत्याधिक सेवन करने से ब्लोटिंग, डायरिया हो सकता है, क्योंकि इसके अंदर हाई FODMAP केमिकल होता है।

सेब : सेब खाने से बीमारी दूर होती है इसके साथ यह कब्ज भी दूर करता है। सेब में सबसे अधिक फाइबर मात्रा अधिक होती है। जो मल को आसानी से त्यागने में मदद करता है।

पपीता : पपीता का सेवन करने से पेट संबंधित समस्याएं दूर होती है। यह कब्ज की समस्या को दूर करता है और पेट को साफ करने में मदद करता है। पपीता में डायजेस्टिव एंजाइम होते हैं, जो इस काम के लिए जिम्मेदार हैं।

प्रून्स और बेरीज : ये दोनों ही फल कब्ज के लिए रामबाण है। प्रून्स में फाइबर से भरा होने के साथ ही मल निकासी को आसान बनाने के लिए काफी बढ़िया तरीका है। वहीं, बेरीज अंदर काफी एंटीऑक्सीडेंट पाई जाती है और फाइबर होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

एडीआरम ने बरहरवा-पतना रेक साइडिंग का किया निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

साहिबगंज/बरहरवा : मालदह रेल एडीआरएम शिवप्रसाद कुमार बरहरवा-पतना अंतर्गत रेलवे रेक लोडिंग साइडिंग का औचक निरीक्षण किया,निरीक्षण के दौरान रेलवे साइडिंग में पूर्व में बेपटरी हुई रैक बोगियों के बारे में जानकारी लेते हुए उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पटरियों का सटीक मैपिंग किया जाए,पटरियों पर अनावश्यक मेटेरियल न पड़े रहे जिसका समय समय पर जाँच होनी चाहिए,साथ ही लोडिंग के दौरान सुरक्षा नियमों का अनुपालन करना अनिवार्य है।तत्पश्चात उन्होंने बरहरवा रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण करते हुते साफ सफाई और यात्रियों के सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने का आवश्यक निर्देष दिये है।मौके पर बरहरवा के दर्जनों रेलवे कर्मी उपस्थित थे।

इलाज के दौरान उसकी बच्चे की मौत

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र के गोपालपुर मकई टोला में दो पक्षों में मारपीट के दौरान एक दो वर्ष का बच्चा घायल हो गया।स्वजन घायल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की दादी सावित्री मसोमात ने बताया कि बुधवार की देर रात्रि हम लोग घर में थे।और दो वर्ष का पोता शिवम कुमार पिता मलुवा चौधरी घर के बहार खेल रहा था। इसी दौरान मेरे घर के पास दूर का रिश्तेदार सुनील कुमार को कुछ लोग मारने के लिए आए और साथ उसके मारपीट करने लगे।इसी दौरान उसे वक्त मेरा पोता भी वहीं पर था। और मारपीट के दौरान उसे भी किसी तरह से गंभीर चोट लग गई। और मुंह से खून बहने लगा। आनन फानन में गंगा नदी पार करके अपनी शिकायत को लेकर गंगा नदी थाना पहुंचा।गंगा नदी थाना पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा।जिसके बाद घायल शिवम को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। वही स्वजनों ने बेहतर इलाज के लिए महमूद आलम के निजी क्लीनिक में लेकर चले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर गंगा नदी थाना पुलिस को सूचना मिलने के बाद मामले की छानबीन करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया और शव को स्वजनों को सौप दिया।

खेत में मकई काटने को लेकर मारपीट

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत कबूतर खोपी निवासी स्वर्गीय राज कुमार मंडल की 42 वर्षीय पत्नी सुनीता मेसोमात को तीन लोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।वही घायल किसी तरह जान बचाकर थाना पहुंचा।जहां से इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।वही घायल सुनीता मेसोमात ने बताया कि मेरे खेत में मकई लगा हैं। वही गांव के पुरों मंडल,विक्की मंडल,नीरज मंडल ने जबरन मेरे खेत में जबरन मकई काटने लगा।वही विरोध करने पर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।वही डॉ कुलदीप कुमार गुप्ता के देख रेख में इलाज किया जा रहा है।

अदरक बीज वितरण से किसानों को मिला लाभ उद्यान विकास योजना का सफल क्रियान्वयन

साहिबगंज : उद्यान विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले के उधवा प्रखंड में किसानों को अदरक की खेती के लिए प्रेरित करने हेतु बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस योजना के अंतर्गत जेएसएलपीएस द्वारा चयनित सखी मंडल की दीदी किसानों के बीच अदरक बीज का वितरण किया गया।उधवा प्रखंड के आतापुर पंचायत और श्रीधर दियारा में उधवा बीपीएम जाकिन हुसैन एवं उद्यान विभाग के प्रतिनिधि प्रेम पासवान के संयुक्त प्रयास से किसानों को घर-घर जाकर प्रति किसान दो क्विंटल अदरक बीज उपलब्ध कराया गया। बीपीएम जाकिन हुसैन ने कहा कि इस योजना से किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अदरक की खेती से किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं और आने वाले दिनों में जिले के कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति आ सकती है।कार्यक्रम में जेएसएलपीएस के एफटीसी मनोज, बागवान मित्र जीतन रविदास समेत कई किसान और सखी मंडल की दीदी उपस्थित थीं। इनमें दीप्ति, प्रीति लता सरकार, मिता रानी घोष, उमा मजूमदार, सूत्राप्ति मंडल और दुर्गा रानी भारती प्रमुख रूप से शामिल थीं।

नि:शुल्क मोतियाबिंद सर्जरी सेवा शुरू जिलेवासियों को मिलेगा लाभ

साहिबगंज : जिले के सदर अस्पताल में पहली बार मोतियाबिंद सर्जरी की सुविधा शुरू हो गई है। यह सेवा पूरी तरह से निःशुल्क होगी।जिससे जिले के नेत्र रोगियों को लाभ मिलेगा। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा किया गया।उद्घाटन समारोह के दौरान उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि यह सेवा जिले के जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सहायता से सर्जरी की जाएगी। जिससे मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा मिलेगी।स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी के अनुसार जिले में मोतियाबिंद के कई मरीज अब तक संसाधनों की कमी के कारण इलाज से वंचित रह जाते थे। लेकिन अब उन्हें स्थानीय स्तर पर ही सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि मोतियाबिंद सर्जरी के लिए मरीजों को पहले अस्पताल में पंजीकरण कराना होगा। जांच के बाद योग्य मरीजों को सर्जरी के लिए चुना जाएगा। यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क होगी। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी लाभ मिलेगा।

जिला स्तरीय चयन समिति की आयोजित बैठक संपन्न

कृषि यंत्रों से कृषि कार्य आसान हुआ है : डीसी

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : उपायुक्त कार्यालय कक्ष में गुरुवार को जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में भूमि संरक्षण विभाग के तहत जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बताया गया कि राज्य योजना अंतर्गत वितीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के तहत मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना अंतर्गत ट्रैक्टर का वितरण कृषकों महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच किया जाना है। इसके अलावा कृषकों, महिला स्वंयं सहायता समूहों एवं अन्य लाभुकों के लिए राज्य योजना अंतर्गत 600 पंपसेट 35 मिनी ट्रैक्टर सहित पांच अलग-अलग कृषि यंत्रों का विवरण भी किया जाना है।

इस योजना के तहत जिला के किसान छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना का कृषि उपज में बढ़ोतरी, साथ ही समय की बचत एवं आय में वृद्धि कर सकते है।साथ ही केंन्द्र प्रायोजित एसएमएएम योजना तहत 10 मिनी ट्रैक्टर सहित अन्य कृषि यंत्र का विवरण होना है।

बैठक के दौरान उपायुक्त के दारा बताया गया कि आधुनिक युग में कृषि यांत्रिकीकरण एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें यंत्र विशेषकर ट्रैक्टर एवं उनके द्वारा चालित सहायता कृषि यंत्रों की सहायता से कृषि कार्य को बहुत हद तक आसान बनाया जा सकता है। उन्होंनें कहा कि उपरोक्त तीनों योजनाएं जिले के किसानों के लिए काफी मददगार होगी और इसका लाभ लेकर किसान समय, परिश्रम आदि की बचत के साथ आमदनी में भी वृद्धि ला सकते है।

बैठक में उपायुक्त के द्वारा संबंधित पदाधिकारी को उपरोक्त योजनाओं के तहत लक्ष्य अनुरूप अधिक से अधिक किसानों एवं महिला स्वयं सहायता समूह को लाभन्ति करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे जेएसएलपीएस डीपीएम को स्वंयं सहायता समूह की महिलाओं के बीच योजनाओं का वृहद प्रचार प्रसार करने, छोटे कृषि यंत्र बैंक की स्थापना कर रोजगार संवर्धन हेतु प्रेरित करने, के लिए भी निर्देशित किया गया।

बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी,भूमि संरक्षण पदाधिकारी जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी,डीपीएम जेएसएलपीएस व अन्य उपस्थित थे।

कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : भारतीय पौधा किस्म और कृषक प्राधिकरण नई दिल्ली एवं कृषि विज्ञानं केंद्र दुमका द्वारा गुरुवार को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दुमका कन्वेंशन सेंटर में किया गया। जिसमें करीब 300 किसान एवं 60 विभागीय पदाधिकारी ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त अंजानेयुलु दोड्डे द्वारा की गई। कार्यकम में 350 किसानों ने देशज किस्मो का पंजीकरण कराया। उपायुक्त अंजानेयुलु दोड्डे ने किसानों द्वारा लाए गए देशज प्रदर्श की सहारना की।कहा कि दुमका जैव विविधता के मामले में धनी है इसे पहचान दिलाने की जरूरत है।उन्होंने जिले में किसानों द्वारा किए जा रहे लाल चावल के देशज किस्म का की सहारना की और कृषि विज्ञान केंद्र के इस दिशा में किए जा रहे है कार्य के लिए प्रशंसा की।उन्होंने सभी विभागों को इस दिशा में पहल करने को कहा है।

इस अवसर पर रजिस्ट्रार एच सी सिंह ने कृषक अधिकार अधिनियम 2001 की तकनीकी व्याख्या की। उन्होंने अधिनियम 2001 को सरल शब्दों में किसान को समझाया एवं कहा कि किसानों की पहचान के लिए प्राधिकरण हर समय उनके साथ खड़ा है जो उनके देशज किस्मों को न सिर्फ पहचान दिलाता है बल्कि पारितोषित भी दिलवाता है।कहा कि अबतक पंजीकृत फसलों एवं किस्मों में सबसे ज्यादा योगदान झारखंड का है।निश्चित ही यह कार्यक्रम उनके इस योगदान को और भी आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर डॉ. किरण सिंह ने कहा कि दुमका देशज फसलों एवं किस्मों का हॉटस्पॉट है। जहां जैव विविधता भरी पड़ी है।खासकर उद्यान एवं फलों से संबंधित जैव विविधता गांव में बेहतर ढंग से संयोजित हुआ है। जिसमें ग्रामीण महिलाओं का योगदान बहुत ज्यादा है।कृषि विज्ञान केंद्र लगातार देशज किस्मों को प्रकाशित करने की कोशिश कर रहा है ताकि किसानों को उनके इस योगदान का लाभ मिल सके साथ ही आने वाले पीढ़ी भी इससे फायदा उठाएंगे। इस अवसर पर मंच संचालन किरण मैरी कंडीर ने किया।

विधायक आवास में दावत-ए-इफ्तार का हुआ आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा विधायिका निसात आलम की ओर से इस्लामपुर स्थित उनके आवास में भव्य सामूहिक दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक,पार्टी कार्यकर्ता गठबंधन दल के साथी ज़िला और प्रखण्ड के पदाधिकारीगण स्थानीय लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सामूहिक इफ्तार के दौरान सभी समुदाय के लोगों ने रोजा इफ्तार किया और आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया।इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव तनवीर आलम ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना हमें संयम,त्याग,पवित्रता और एकता का संदेश देता है।प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम ने यह भी कहा कि यह प्रयास भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।इस आयोजन के माध्यम से समाज में सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,बरहरवा एसडीपीओ बरहरवा थाना प्रभारी,अशोक दास,सैफ आलम दिलदार आलम, सफतुलल्लाह, मो.सहनवाज आलम, सहित सैकड़ो कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन

साहिबगंज/बरहरवा: विधायक कक्ष में बरहरवा प्रखंड के बटाईल पंचायत के चण्डी झोपडीया से पहुंचे ग्रामीणों ने बांस के झूड़ में आग लग जाने से ट्रांसफर्मर के जल जाने की लिखित शिकायत आवेदन के माध्यम बरकत खान के समक्ष रखा था ।वही बरकत खान ने तुरन्त इसकी जानकारी पाकुड़ विधायक निसात आलम को दी।विधायक निसात आलम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द वहां ट्रांसफार्मर लगाया जाए।विभाग के द्वारा 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर बांस के झूड़ से हटा कर सुरक्षित स्थान में लगा दिया है।जिसका विधिवत उद्घाटन कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने ग्रामीणों की उपस्थिति में फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया।वही बिजली बहाल हो जाने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया,ग्रामीणों ने विधायक निसात आलम एवं विधायक प्रतिनिधि बरकत खान को दिल से धन्यवाद दिया।मौके पर बटाइल पंचायत के मुखिया समुद्री बासकी,पंचायत समिति सदस्य शंभू रजक, मंसूर रहमान, विक्की कुमार,दशरथ घोष, झंटू यादव, पवन घोष, संजीत यादव,मनीष घोष, नंदलाल महतो सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

टीम ने किया घर-घर जाकर सत्यापन कार्य

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : झारखंड पिछड़ा वर्ग आयोग,रांची की टीम ने गुरुवार को दुमका जिले में नगर निकायों में पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की पात्रता निर्धारण तथा तथा हिन्दू धुनीया, जोल्हा, नदाफ जाति को अत्यन्त पिछड़े वर्गों की सूची में समावेशित करने के लिए डोर-टू-डोर सर्वेक्षण की जांच की।आयोग की टीम ने दुमका नगर परिषद के रसिकपुर,मौचीपाड़ा एवं जरमुंडी प्रखंड का पेटसार गांव का दौरा कर घर-घर जाकर सत्यापन कार्य किया।

आयोग की टीम ने परिसदन दुमका में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में ट्रिपल टेस्ट सर्वे के नोडल पदाधिकारी व अनुश्रवण समिति के साथ चर्चा की गई।आयोग के सदस्य नंदकिशोर मेहता,लक्ष्मण यादव, संजीव कुमार,प्रशाखा पदाधिकारी विनोद कुमार सिंह समेत कई महत्वपूर्ण अधिकारी शामिल हुए। नोडल पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता दुमका,जिला कल्याण पदाधिकारी,जिला योजना पदाधिकारी,कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद दुमका,कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत बासुकीनाथ, जिला शिक्षा पदाधिकारी,जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी दुमका एवं जरमुंडी बैठक में उपस्थित रहे। यह सर्वेक्षण पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीति के सही कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। आयोग की टीम ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि समाज के सभी वर्गों को न्यायोचित प्रतिनिधित्व मिले और आरक्षण नीति प्रभावी रूप से लागू हो।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वेक्षण की सटीकता और निष्पक्षता बनाए रखते हुए रिपोर्ट तैयार की जाए। इस जांच का उद्देश्य पिछड़े वर्गों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करना और आरक्षण नीति को सही ढंग से लागू करना है। आयोग की टीम ने नगर निकायों में पिछड़े वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शोध के निष्कर्षों को समाज में लागू करने की दिशा में काम करना चाहिए : डॉ. टीपी सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गुरुवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह सेमिनार झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी विभाग द्वारा प्रायोजित था। सेमिनार में देश भर से करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गुरुवार को दूसरे दिन के पहले सत्र में लगभग 45 शोधार्थियों ने महिला के विभिन्न आयामों पर अपने शोध आलेख प्रस्तुत किए। इस सत्र की अध्यक्षता सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. टी.पी. सिंह ने की। इस सत्र में विभिन्न शोधपत्रों के माध्यम से महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, अधिकारों और उनके सशक्तिकरण पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श हुआ। सभी शोधार्थियों ने अपने विचारों का गहरा प्रभाव छोड़ा। इस अवसर पर डॉ. टीपी सिंह ने महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्थिति पर किए जा रहे शोध की सराहना की और समाज में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के लिए ऐसे शोधों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को अपने शोध के निष्कर्षों को समाज में लागू करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा हमें गहरे आत्मचिंतन की आवश्यकता है कि क्या हमारे शोध जेंडर गेप को पाटने में प्रभावी और सार्थक भूमिका निभा रहे हैं। यह सवाल हमारे लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता स्थापित करने के लिए हमारे प्रयासों का परिणाम सही दिशा में होना चाहिए।

दूसरे दिन का दूसरा सत्र प्रोफेसर इशिता मुखोपाध्याय की अध्यक्षता में पैनल चर्चा से शुरू हुआ। इस सत्र में पैनलिस्ट डॉ. नितिशा खालको, डॉ. मीनाक्षी मुंडा और डॉ. शालिनी साबू थीं।

प्रोफेसर इशिता मुखोपाध्याय बताया कि स्त्री और पुरुष जैसे समाज दो ध्रुव में बांटा हुआ नहीं देखना चाहिए । इस तरह विषय को देखने समझने से हम समस्या को सही परिपेक्ष्य में नहीं समझ सकते हैं। आप पुरुष होते हुए भी स्त्री ध्रुव के प्रतिनिधि हो सकते हैं और स्त्री होते हुए भी हम पुरुष मानसिकता से संचालित हो सकते हैं ।यह सिर्फ शारीरिक तौर पर नहीं बल्कि मानसिक स्थितियों के आधार पर समस्या को समझने की कोशिश है।

इसके बाद डॉक्टर मीनाक्षी मुंडा, प्राध्यापिका, मानव शास्त्र विभाग, कोल्हन विश्वविद्यालय ने अपनी बात रखते हुए आदिवासी समाज और संस्कृति के सार्थक अर्थों पर प्रकाश डाला कि हम सही संदर्भ में इसे समझ नहीं पाते हैं । गहराई से इसके अर्थ और आयाम को नहीं समझ पाना ही कई समस्याओं का कारण है ।हमारे आदिवासी समाज में जो पूजा पद्धति है ,जो व्यवस्थाएं हैं ,उनका भी एक सार्थक अर्थ और महत्व है ,जिसे हमें सही संदर्भ में समझना होगा ।तभी हम झारखंड के आदिवासी महिलाओं के स्थिति और संदर्भों पर संवेदनशील होकर बातें कर पाएंगे।

डॉक्टर नितिशा खालको ,प्राध्यापिका हिंदी विभाग ,बीएसके कॉलेज ,मैथन, विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने अपनी बातों को रखते हुए बताया कि हमारे आसपास से घटित के घटनाएं जो की किताब भी ज्ञान से अलग है हमें सोचने समझने का एक नया संदर्भ देती हैं। उन्होंने कुछ घटनाओं का इस संबंध में जिक्र किया जो कि काफी मर्माहत करने वाली थी। उन्होंने बताया कि पुरुष सत्ता किस प्रकार महिलाओं की मानसिकता को भी निर्धारित करता है ।यह केकड़ा वाला अवधारणा दे देता है कि महिलाएं ही महिलाओं पर अत्याचार करती है ।यह सब एक उपमा है जो की नारी को बेचारगी की सीमा में कैद रखना चाहती है।

डॉक्टर शालिनी साबू, प्राध्यापिका इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, रांची विश्वविद्यालय ने अपनी बातों को कानूनी परिपेक्ष में प्रस्तुत करने की कोशिश की जहां महिला अधिकारों के लिए एक लंबी लड़ाई लड़ने पड़ी है । अभी भी आजाद भारत के फैसला यहां तक की सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले में हाथ डालने से बचता रहा है। और वह संसद के ऊपर डालकर एक मौन धारण कर लेता है। उन्होंने बताया कि अधिकतर जो महिलाओं को लेकर भेदभाव या फिर सामाजिक अत्याचार होते हैं ,उसका कारण संपत्ति विवाद है ,जो कि जमीन से बंधे हुए हैं । कृषि और खनन जमीन पर केंद्रित रहता है और जमीन किसी दूसरे के हाथ में न जाए इसके लिए अनेक महिला उत्पीड़न और अत्याचार झेलती हैं।कई कुप्रथा और रीति-रिवाज की जड़ों में यह है।

इन सब चचाओं के बाद द्वितीय सत्र की शुरूआत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ ।जिसमें महिला अधिकारों पर केंद्रित गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए गए। ...दीवारें ऊंची है गलियां है तंग ....आजाद है रहना मुझे ! बहुत ही सार्थक और मनोरंजन कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत किए गए ।

सेमिनार की सचिव और इतिहास विभाग की सहायक प्राद्यपिक अमिता कुमारी ने पिछले दो दिनों में सेमिनार में हुए गतिविधियों से सभी को परिचित कराई।

इसके बाद पैनल डिस्कशन के तौर पर हिंदी साहित्य के जाने-मेरी कवित्री निर्मला पुतुल और कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह की उपस्थिति में जाने-माने अर्थशास्त्री दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और रांची विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर प्रो.जीन ड्रेजे द्वारा विचारों को प्रस्तुत किया गया । डॉक्टर निर्मला पुतुल ने अपनी बातों को रखते हुए संवैधानिक मूल्यों की चर्चा की। आदिवासी समाज के संदर्भ में कहां उनका हनन हो रहा है ,इस पर विचार करते हुए अपने अनुभव को साझा किया ।आज भी कुछ क्षेत्रों में हाथियों के डर से आदिमासी महिलाओं को पेड़ पर बच्चे जनने पड़ते हैं ।उनके लिए कोई स्वास्थ्य चिकित्सा व्यवस्था अभी भी उपलब्ध नहीं है । यह आधुनिक समाज के लिए एक बहुत ही चिंतनीय पहलू है। प्रोफेसर जीन ड्रेजे द्वारा अपनी बातों को रखते हुए इस तरह के आयोजनों के प्रशंसा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के आयाम के लिए यह बहुत ही जरूरी आयोजन है ,जो कि सार्थक संवाद , संबंध और चिंतन को हमारे सामने रखते हैं। यह चिंतन के नए धरातल प्रस्तुत करते हैं ।विश्वविद्यालय कोई कोचिंग संस्था नहीं है ,जो परीक्षा पास करने पर केंद्रित है।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली : दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने गुरुवार को इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया। साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की। दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूनामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं। साबालेंका ने कहा, ₹मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं। पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1-1 से बराबर हुआ। उन्होंने आगे कहा, ₹मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ मेरे पक्ष में जा रहा है। अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला और फिलीपींस की वाइल्डकार्ड एंट्री एलेक्जेंड्रा एला आमने-सामने होंगी। एला ने पिछले दौर में पोलैंड की विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक को हराकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की थी।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली : अपनी सातवीं मियामी ओपन खिताबी जीत के लक्ष्य के साथ खेल रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 (7-4) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट तक चला। यह क्वार्टरफाइनल मैच बुधवार रात को खेला जाना था, लेकिन जेसिका पेगुला और एम्मा राडुकानु के बीच महिला क्वार्टरफाइनल मैच रात 11 बजे के बाद तक चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। मैच रात करीब 12 बजे शुरू होता, जो नए एटीपी नियमों के खिलाफ होता। जोकोविच अब सेमीफाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से भिड़ेंगे। 33 वर्षीय दिमित्रोव, जो 2024 में इस टूनामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 12-1 का है। जोकोविच इससे पहले अपने सभी छह मियामी ओपन खिताब टूनामेंट के पिछले स्थल की बिस्केन में जीते थे। इस बार वह अपने करियर के 100वें खिताब को जीतने के लिए प्रयासरत हैं। जोकोविच ने कहा, ₹मुझे यहां जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है... मैं लंबे समय बाद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं। हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों ने 37 वर्षीय जोकोविच के समर्थन में उनके नाम के नारे लगाए, भले ही वह एक अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरे सेट में उन्होंने 4-1 और 5-2 के पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेकर में जीत हासिल की। उन्होंने मैच प्वाइंट पर एक जोरदार ऐस लगाया और 24वीं वरीयता प्राप्त कोर्डा के खिलाफ 83% पहली सर्विस का शानदार आंकड़ा दर्ज किया। जीत के बाद उन्होंने जोरदार गर्जना की और अपनी रैकेट को वायलिन बजाने की तरह दिखाकर जश्न मनाया।

जोकोविच ने कहा, अगर मैं जीत का कारण एक शब्द में कहूं, तो वह है झ्र सर्व, मैंने काफी अच्छी सर्विस की, यह मेरे लंबे समय के सबसे बेहतरीन सर्विंग प्रदर्शनों में से एक था।

मेंसिक ने फील्स को हराया

पुरुषों के पहले क्वार्टरफाइनल में, चेक गणराज्य के किशोर खिलाड़ी जकुब मेंसिक ने 17वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर फील्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराकर एटीपी 1000 पॉइंट स्तर के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई। 19 वर्षीय मेंसिक ने पहला सेट टाईब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर 20 वर्षीय फील्स को मात दी। 54वीं रैंकिंग के मेंसिक ने 13 ऐस लगाए और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के साथ 75 मिनट में मुकाबला समाप्त किया। अब मेंसिक सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज और माटेओ बेरेटिनी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

31 साल छोटी अभिनेत्री के साथ काम करने पर सलमान खान बोले, रश्मिका और उनके पिता को एतराज नहीं

हिंदी फिल्मों के सुपरस्टार सलमान खान अपने फैंस को ईद पर अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर' के साथ ईदी देंगे। रविवार को सलमान खान ने अपने फैंस के साथ फिल्म का ट्रेलर जारी किया। सलमान खान के इस ट्रेलर को फैंस की ओर से भरपूर प्यार मिला है। फैंस अब 30 मार्च का इंतजार कर रहे हैं, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रविवार को सलमान खान और रश्मिका मंदाना 'सिकंदर' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उनसे फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार द्वारा छोटी अभिनेत्रियों के साथ काम करने के बारे में पूछा गया। हिंदी सिनेमा के भाईजान कहे जाने वाले इस अभिनेता ने मीडिया को बहुत ही व्यावहारिक जवाब देते हुए कहा, मेरे और हीरोइन के बीच 31 साल का अंतर है। हीरोइन को यह समस्या नहीं है। हीरोइन के पिता को यह समस्या नहीं है, तो आप लोगों को क्या समस्या है। सलमान जिस वक्त यह जवाब दे रहे थे। रश्मिका के चेहरे पर हंसी रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सलमान खान ने आगे कहा कि जब इनकी शादी हो जाएगी, बच्ची हो जाएगी, बड़ी स्टार हो जाएगी तो उनके साथ भी काम करेंगे। मम्मी का परमिशन तो मिल ही जाएगा। सलमान खान ने इस दौरान फिल्म की अभिनेत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रश्मिका जिस लगन से काम कर रही हैं वह तारीफ के काबिल है। सलमान ने बताया कि उन्हें पुष्पा-2 और सिंकदर की शूटिंग के दौरान पैर में चोट लगी थी। लेकिन, इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग जारी रखी। सलमान कि फिल्म सिकंदर के ट्रेलर में एक ऐसा शानदार नजारा दिखाया गया है जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगा। ट्रेलर में सलमान मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं, वह एक मिशन पर हैं। सिकंदर का उनका किरदार दमदार नजर आ रहा है।

यह फिल्म निर्माता के लिए एक और बड़ी सफलता साबित होने वाली है, जिनके पास ऐसी फिल्में बनाने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है, जो न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि देश भर के दर्शकों के दिलों में जगह भी बनाती हैं।

ला लीगा: बार्सिलोना ने ओसासुना को 3-0 से हराकर शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बनाई

बार्सिलोना : बार्सिलोना ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को ओसासुना के खिलाफ एकतरफा 3-0 की जीत दर्ज करते हुए ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय क्रम 19 मैचों तक पहुंच गया।कैम्प नोउ में खेले गए इस मुकाबले में फारवर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजांद्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर पहली ही कोशिश में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके दस मिनट बाद डानी ओल्मो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया।

उन्हें गोलकीपर सर्जियो हेरेरा द्वारा गिराए जाने पर बार्सिलोना को पेनल्टी मिली थी। वहीं, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने 77वें मिनट में करीब से हेडर के जरिए गोल कर टीम की जीत को पक्की कर दिया। बार्सिलोना 28 मैचों में 63 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड 60 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 56 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी 10 मुकाबले बाकी हैं। मैच के बाद फेरान टोरेस ने कहा, ₹अब से हर मैच हमारे लिए फाइनल जैसा है। हमने इस मुकाबले को जल्दी और मजबूती से अपने पक्ष में किया। तीन अंक मिले, यही सबसे अहम बात है। यह मुकाबला 8 मार्च को होना था, लेकिन क्लब के डॉक्टर कार्लेस मिनारो गार्सिया के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने चोट और अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के कारण बदली हुई टीम उतारी, लेकिन इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और राफिन्हा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद बार्सिलोना ने ओसासुना को पूरी तरह हावी होकर खेला और उसे एक भी शॉट ऑन टारगेट लगाने का मौका नहीं दिया। फेरान टोरेस के शुरूआती गोल के दस मिनट बाद, पेड्री ने लंबा पास डाला, जिसे डानी ओल्मो ने शानदार तरीके से नियंत्रित किया, लेकिन गोलकीपर सर्जियो हेरेरा ने उन्हें गिरा दिया।

बॉलीवुड फिल्मों पर बोले सनी देओल, कहा- हम खो गए हैं, बताया अच्छी फिल्म बनाने के लिए क्या करना होगा

बॉलीवुड के एक्शन स्टार सनी देओल की मच अवेटेड फिल्म 'जाट' का ट्रेलर आज लॉन्च हुआ। ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सनी देओल ने कई मुद्दों पर बात भी की है। इस दौरान सनी देओल ने ये भी बताया कि बॉलीवुड को फिरसे धमाकेदार वापसी करने के लिए क्या कुछ करना होगा।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान सनी देओल से जब बॉलीवुड के डाउनफॉल को लेकर सवाल किया गया और पूछा गया कि कैसे बॉलीवुड फिरसे शानदार वापसी कर सकता है तो अभिनेता ने कहा, हम खो गए हैं। पहले, निर्देशक प्रोड्यूसर को कहानी सुनाते थे और उन्हें जब वो कहानी पसंद आती थी, तब वे फिल्म बनाते थे। मगर बाद में जब कॉर्पोरेट्स ने इस पूरी व्यवस्था में एंट्री की, तो पूरी व्यवस्था ही बदल गई और व्यावसायिक हो गई। फिल्म के टिकट

तक बहुत महंगे और व्यावसायिक हो गए। लोगों की रुचि खत्म हो गई। सब पैसे बनाने का चक्कर रह गया। हर कोई इसका दोषी है। फिल्ममेकर्स के अंदर अब वो भूख नहीं रही।

सनी ने आगे कहा, यह एक चक्र है और हमें उम्मीद है कि ये बदलेगा। यह रातों-रात नहीं बदलेगा, इसमें वक्त लग सकता है, लेकिन बदलेगा। जब मैं इस फिल्म पर काम कर रहा था, तो मैंने देखा कि निर्माताओं को फिल्म के मुद्दे और कहानी पर पूरा भरोसा है। इसलिए उन्होंने निर्देशक को पूरी छूट दी।

मैं मानता हूं कि निर्देशक कई बार बजट के ऊपर चले जाते हैं, लेकिन ऐसा इसलिए होता है क्योंकि निर्देशक उस सीन को और भी बेहतर व प्रभावशाली बनाने का प्रयास करता है। प्रोड्यूस की ओर से यह धैर्य और समझ बहुत जरूरी है। लेकिन हमारी फिल्मों में लोग कहने लगते हैं, समय हो गया है, अब तक शूट पूरा नहीं हुआ है, ये काट दो, ये सीक्वंस हटा दो, क्या कर रहे हो, क्यों कर रहे हो जैसे सवाल करने लगते हैं। यहां हर कोई निर्देशक बन जाता है, जिससे निर्देशक का कोई काम ही नहीं बचता।

सेट पर शाहरुख के साथ दिखीं 'रईस' में नजर आईं अभिनेत्री माहिरा खान

पाकिस्तान की अभिनेत्री माहिरा खान ने बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान के साथ सेट से एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर के सामने आते ही दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है। क्या माहिरा एक बार फिर शाहरुख के साथ काम करने जा रही हैं? क्या एक बार फिर दोनों की जोड़ी किसी फिल्म में नजर आने वाली है? जानिए क्या है पूरा माजरा। फिल्म 'रईस' में शाहरुख खान के साथ नजर आईं पाकिस्तानी अभिनेत्री माहिरा खान तो याद ही होंगी। माहिरा खान एक बार फिर शूटिंग पर शाहरुख खान के साथ नजर आईं। हाल ही में माहिरा खान ने अपने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरें साझा की, इन तस्वीरों ने दर्शकों के मन में उत्साह पैदा कर दिया। दरअसल, माहिरा खान ने अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो किसी अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही हैं। तस्वीर शूटिंग के सेट की है। इन तस्वीरों में माहिरा एक टी-शर्ट पहने हुए हैं, जिस पर किंग खान यानी शाहरुख खान की तस्वीर प्रिंट है। इनमें एक तस्वीर में माहिरा अपने नाम लिखी वैनिटी वैन के गेट पर खड़ी हैं। तस्वीर को शेयर करते हुए माहिरा ने कैप्शन में लिखा, रविवार को काम कर रही हूं, लेकिन उनको (शाहरुख) साथ लाने से यह दिन मजेदार बन गया।

कुणाल कामरा का पोस्टर शेयर कर स्वरा भास्कर ने लिखा TRUTH

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम लिए बगैर आपत्तिजनक टिप्पणी कर विवादों में घिर गए हैं। विवादों के बीच कामरा का अभिनेत्री स्वरा भास्कर समर्थन करती नजर आईं। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर उन्होंने मामले से जुड़े कई पोस्ट शेयर किए। कामरा की एक तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ट्रुथ। वहीं, दूसरी पोस्ट में स्वरा, एकनाथ शिंदे पर तंज कसती नजर आईं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल 'हैबिटेट क्लब' का जिक्र करते हुए लिखा, एकनाथ शिंदे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हैबिटेट मुंबई के बाकी हिस्सों की तरह दिखे ! कुणाल कामरा के खिलाफ मुंबई के एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सिकंदर ट्रेलर

सलमान खान की ईद रिलीज में रोमांस और ड्रामा का तड़का

सलमान खान की आगामी ईद रिलीज़, सिकंदर का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित, ट्रेलर एक पूर्ण-विकसित मसाला एक्शन का वादा करता है, जो 30 मार्च को 70 मिमी स्क्रीन पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल और सत्यराज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। तीन मिनट 38 सेकंड लंबे ट्रेलर में, टीजर की तरह ही दो चीजें हैं-80 और 90 के दशक की हिंदी फिल्मों की याद दिलाने वाली डायलॉगबाजी और जबरदस्त एक्शन। सलमान अन्याय के खिलाफ लड़ने के मिशन पर एक किलिंग मशीन की तरह हैं। सत्यराज एक भ्रष्ट राजनेता की भूमिका निभाते दिख रहे हैं, जबकि रश्मिका सलमान की प्रेमिका की भूमिका निभा रही हैं। ट्रेलर की शुरुआत वांटेड बोर्ड पर सलमान की तस्वीर से होती है। लेकिन जल्द ही हमें पता चलता है कि उन्हें राजकोट का राजा, राजा साहब, संजय साहब और सिकंदर साहब कहा जाता है। इसके बाद वह राजकोट से मुंबई चले जाते हैं, जहाँ वह सत्यराज के किरदार के साथ लड़ रहे हैं। लेकिन वह क्यों लड़ रहे हैं? सिकंदर के साथ क्या दुखद घटना घटती है? इसका जवाब 30 मार्च को पता चलेगा, जब सिकंदर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

टीवी सितारों की लोकप्रियता को खेल से जोड़ने का अभिनव प्रयोग, चिड़िया-बल्ला लेकर जमीं पर उतरे सितारे

टेलीविजन जगत के मशहूर सितारे जब जयपुर की जमीं पर उतरे तो स्पोर्ट्स और ग्लैमर के संगम की एक नई कहानी की पहली इबारत यहां लिखी गई। छोटे परदे की हीरोइन नंबर वन कहलाने वाली गीतांजलि मिश्रा, 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' की बुआ जी यानी उपासना सिंह, उर्वशी ढोलकिया, दीपशिखा नागपाल के साथ साथ फलक नाज, आस्था चौधरी और गुरप्रीत चड्ढा ने राजस्थानी लोक नृत्यों के बीच सोने सी दमकती युवा बैडमिंटन लीग की ट्रॉफी जब लॉन्च की तो इन सितारों के चाहने वालों ने दिल खोलकर इनका स्वागत किया। छोटे शहरों में अपने लाखों चाहने वालों के बीच खेल के जरिये समावेशी समाज बनाने का संदेश पहुंचाने निकली इन अभिनेत्रियों को अपना मकसद पता है। नेट निंजास की ओनर गीतांजलि मिश्रा कहती हैं, ÷बैडमिंटन या जिसे गली मोहल्ले में हम चिड़िया बल्ला भी कहते हैं, एक ऐसा खेल है जिसे खेलने के लिए कोई भी कभी मना नहीं करता। दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में तो शायद ही ऐसा कोई परिवार हो जिसके घर में आपको बैडमिंटन का रैकेट न मिल जाए। जरूरत बस इन शहरों के खिलाड़ियों को लाइमलाइट में लाने की है और एक ऐसी लीग रचने की है जो देश में क्रिकेट और हॉकी के साथ साथ बैडमिंटन की लोकप्रियता को भी शीर्ष तक ले जाए।

लीग के संस्थापक प्रवीण जांगिड़ ने इस मौके पर कहा, भारतीय जनमानस में टेलीविजन धारावाहिकों ने अपना जो स्थान बनाया है, उसकी जगह कोई ले नहीं सकता। फिल्मों के सितारों को तो खेल से जोड़ने की कोशिशें तमाम हुई हैं, हमारी कोशिश घर परिवार में पहचानी जाने वाली इन अभिनेत्रियों के जरिये खेल को घर घर पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी जैसी मशहूर स्पोर्ट्स लीग के पास छोटे परदे के सितारों का साथ नहीं है और यही सितारे इस लीग को देश की चुनिंदा लीग बनाएंगे।

सेलेब कोनेक्स के मालिक और लीग के को फाउंडर कैप्टन विनीत चतुर्वेदी की मानें तो टेलीविजन सितारों की इस लोकप्रियता के सहारे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'फिट इंडिया' की पहल को जन-जन को सुलभ कराना चाहते हैं।

कन्नप्पा फिल्म की आलोचना करने वालों को मेकर्स की चेतावनी, कहा- लगेगा भगवान शिव का श्राप

तेलुगु अभिनेता और निर्माता विष्णु मांचू की पौराणिक ड्रामा फिल्म कन्नप्पा सुर्खियों में है। हाल ही में फिल्म के प्रमोशनल इवेंट के दौरान, कास्ट मेंबर रघु बाबू की तरफ से दिए गए एक बयान ने इंटरनेट यूजर्स को निराश कर दिया है। तेलुगु 360 के मुताबिक इस कार्यक्रम में रघु बाबू ने ट्रोल्स को फिल्म की आलोचना करने पर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है अगर कोई कन्नप्पा फिल्म को ट्रोल करता है, तो उसे भगवान शिव के क्रोध और श्राप का सामना करना पड़ेगा... यह बयान इंटरनेट यूजर्स को पसंद नहीं आया। जबकि कुछ लोगों ने इस पर हंसी उड़ाई, कुछ यूजर्स ने इसे अजीब मार्केटिंग नौटंकी करार दिया।

एक रेडिट यूजर ने पोस्ट शेयर की और इस पर कई यूजर्स ने निराशा जाहिर की। एक यूजर ने मजाक में लिखा डर और धर्म देश में हमेशा काम आता है। मैंने बहुत सारे पाप किए हैं इसलिए मैं नर्क में जाउंगा। मुझे गर्म तेल में तला जाएगा। एक दूसरे यूजर ने लिखा ये कैसी बेहूदा मार्केटिंग है। हे भगवान। एक और यूजर ने लिखा कि मैं एक शिव भक्त के तौर पर कह रहा हूं कि उनके पास इतना समय नहीं है।

कन्नप्पा के निर्देशक मुकेश कुमार सिंह हैं। मोहन बाबू इस फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म हिंदू धर्म में भगवान शिव के भक्त कन्नप्पा की कथा पर आधारित है। कन्नप्पा में मुख्य भूमिका में विष्णु मांचू हैं, उनके साथ मोहन बाबू हैं। फिल्म में मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल की विशेष कैमियो भूमिकाएं भी हैं।

गाजा में इजराइल के हमले में 40 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा पट्टी। मध्य गाजा के एक व्यस्त बाजार पर इजराइली सुरक्षा बलों के ताजा हमले में सात फिलिस्तीनी मारे गए। पिछले 24 घंटों में युद्धग्रस्त क्षेत्र में हमलों में 40 से अधिक लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि गाजा में हजारों फिलिस्तीनियों के सामने खाद्यान का संकट पैदा हो

गया है। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम कर रही संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) का कहना है कि तीन सप्ताह से अधिक समय से कोई सहायता एन्क्लेव में नहीं पहुंची है।

अल जजीरा की खबर में यह जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि गाजा पर इजराइल के युद्ध में अब तक कम से कम 50,208 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 113,910 घायल हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने मृतकों की संख्या 61,700 से अधिक बताई है। कहा गया है कि मलबे के नीचे लापता हजारों फिलिस्तीनियों के मृत होने की आशंका है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के दौरान इजराइल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया था। यह युद्ध तब से चल रहा है।

बलरामपुर : एक और दो रुपये के सिक्के नहीं लेने पर होगी कार्रवाई, आदेश जारी

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिला में एक और दो रुपये के सिक्के के लेनदेन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से आदेश जारी किया गया है। बीते गुरुवार की देर शाम को जारी आदेश के अनुसार, सभी अनुविभागीय अधिकारी को मुनादी कराकर व्यापारियों से सिक्के के लेनदेन करने के निर्देश दिए गए हैं। सिक्के के लेनदेन नहीं होने से आम लोगों के साथ-साथ व्यापारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। व्यापारी या आमजन के द्वारा लेनदेन से मना करने पर निम्नानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने आदेश जारी किया है।

उप्र के गाजियाबाद में कपड़ा फैक्टरी का बॉयलर फटा, तीन की मौत

एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में आज सुबह एक कपड़ा फैक्टरी का बॉयलर फट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य झुलस गए। यह कपड़ा फैक्टरी भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव दतेड़ी में है। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई है। पीड़ितों के परिजनों ने फैक्टरी का बाहर हंगामा किया है। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गाजियाबाद एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने कहा कि छानबीन के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं और उन्होंने पुलिस को शव भी नहीं उठाने दिए। प्रशासन ने स्थिति संभालने के लिए आसपास के थानों से पुलिस बल बुलाया है। परिजनों का आरोप है कि कामगारों को सेफ्टी

उपकरण नहीं दिए गए थे। पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो सका है कि बॉयलर कैसे फटा है। इस हादसे में प्रभावित सभी लोग इसी फैक्टरी के मजदूर बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मृतकों की शिनाख्त योगेंद्र (42) पुत्र बिजेंद्र निवासी मुकीमपुर मढ़ेया थाना भोजपुर, अनुज (25) पुत्र प्रेम सिंह निवासी कृष्णा नगर थाना मोदीनगर और अवधेश निवासी जहांगीरपुर, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई। एक घायल की पहचान लकी पुत्र जय भगवान निवासी सुहाना थाना निवाड़ी के रूप में हुई है। गांववालों का कहना है कि बॉयलर फटने से बहुत तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के गांव के लोग तक मौके पर पहुंच गए।

अलविदा की नमाज को लेकर यूपी में अलर्ट

एजेंसी

लखनऊ। माह-ए-रमजान का आखिरी जुमा यानी अलविदा की नमाज को लेकर उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट है। संवेदनशील और अति संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने पहले ही प्रदेश में सभी जिलों के अधिकारियों और अलविदा जुमा की नमाज और ईद की नमाज को लेकर सुरक्षा व्यस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए थे। आदेश के बाद सभी जिलों में पुलिस पैदल गश्त कर रही है। पुलिस मुख्यालय में तैनात एक अधिकारी ने बताया कि रमजान की आखिरी अलविदा की नमाज को लेकर शुक्रवार को सतर्कता बरती जा रही है। संवेदनशील और अति संवेदनशील संभल,

मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, रामपुर समेत कई जिलों में अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात की गई है। सभी लोगों से अपील की गई है कि सड़कों पर नमाज अदा न करें। आपसी भाईचारा बनाकर रखें। पुलिस इलाके में गश्त कर रही है। सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। पुलिस के अलावा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के पदाधिकारियों ने भी अपने इलाकों की मस्जिदों में ही नमाज अदा करने की अपील की है। साथ अफवाह पर ध्यान न दें।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सुरक्षा बलों ने पिछले 48 घंटे में 11 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, केपी के तीन जिलों मीर अली, मीरान शाह और डीआई खान में सुरक्षा बलों का चार जगहों पर सीधा सामना हुआ। सुरक्षा बलों ने बिना कोई नुकसान के आतंकियों को मार गिराया।

जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, आईएसपीआर ने जारी बयान में कहा कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में पांच आतंकवादियों को गोलियों से भून दिया। इसी क्षेत्र दूसरी जगह मुठभेड़ में तीन और दहशतगर्द मारे गए। मीरान शाह क्षेत्र में दो और डेरा इस्माइल खान जिले के दरबान इलाके में एक आतंकवादी का काम तमाम कर दिया गया। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, पिछले हफ्ते उत्तरी वजीरिस्तान जिले के गुलाम खान कल्ले इलाके में अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम 16 आतंकवादियों को मार गिराया था। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद 2021 से पाकिस्तान आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है। सबसे ज्यादा हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हो रहे हैं। जनवरी 2025 से आतंकी हमलों में तेजी आई है।

आर जी कर दुष्कर्म और हत्या मामला : आज कलकत्ता हाईकोर्ट में सीबीआई सौंपेगी रिपोर्ट

एजेंसी

कोलकाता। आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पोस्टग्रेजुएट छात्रा के दुष्कर्म और हत्या मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) आज कलकत्ता हाईकोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। कोर्ट ने सीबीआई से स्पष्ट करने को कहा है कि क्या इस मामले को कभी सामूहिक दुष्कर्म के रूप में जांचा गया था।

पिछली सुनवाई में न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने सीबीआई से सवाल किया था कि अक्टूबर 2024 में चार्जशीट दाखिल करने के बाद से अब तक एजेंसी क्या कर रही है। उन्होंने पूछा कि क्या

सीबीआई अब तक कोई पूरक चार्जशीट दाखिल कर पाई है, जिसमें बड़ी साजिश और साक्ष्य नष्ट करने के आरोपों की पुष्टि हो।

न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने मामले की जांच को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या सीबीआई ने कभी इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70 के तहत सामूहिक दुष्कर्म का मामला माना?

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया जा चुका है। लेकिन, क्या आरोप पत्र में इसे किसी एक आरोपित द्वारा किया गया अपराध बताया गया, या यह सामूहिक दुष्कर्म का मामला है?

इसके अलावा, जज ने पूछा कि यदि सीबीआई ने कभी इसे सामूहिक दुष्कर्म का मामला माना, तो उसने किन लोगों को संदेह के घेरे में रखा। साथ ही, कोर्ट ने सीबीआई से अब तक की जांच की स्थिति रिपोर्ट देने को कहा।

सीबीआई ने हाल ही में अस्पताल में तैनात नर्सों और सुरक्षा कर्मियों से पूछताछ शुरू की है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इनसे पूछताछ दुष्कर्म और हत्या के संबंध में की जा रही है या फिर पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और तत्कालीन थाना प्रभारी अभिजीत मंडल के खिलाफ साजिश और साक्ष्य नष्ट करने के आरोपों की पुष्टि के लिए की जा रही है।

गौरतलब है कि 31 वर्षीय पोस्टग्रेजुएट छात्रा का शव नौ अगस्त 2024 को आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की आपातकालीन इमारत के तीसरी मंजिल स्थित सेमिनार हॉल में मिला था। सीबीआई को आज दोपहर 3:30 बजे कोर्ट में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में दबाव

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत सांकेतिक बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से मामूली तेजी का रुख भी बना, लेकिन पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

10 बजे तक के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, ओएनजीसी, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 3.90 प्रतिशत से लेकर 1.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, इन्फोसिस, सिप्ला और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयर

3.32 प्रतिशत से लेकर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,419 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,750 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 669 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 84.26 अंक की बढ़त के साथ 77,690.69 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछाल कर 77,750.45 अंक तक पहुंच गया, लेकिन पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली की वजह से ये सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 126.97 अंक की कमजोरी के साथ 77,479.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 8.45 अंक की मामूली तेजी के साथ 23,600.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 23,629.70 अंक तक पहुंच गया। इस तेजी के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 37.85 अंक की कमजोरी के साथ 23,554.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 317.93 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,606.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 105.10 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,591.95 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

ट्रंप के कार टैरिफ से वैश्विक बाजार में हलचल कंपनियों के शेयर धड़ाम, कनाडा देगा जवाब

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आयातित कारों और पुर्जों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक कार उद्योग में हलचल है। इससे कल एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार डगमगा गए। कई वाहन निमार्ता कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिर गईं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की घोषणा के बाद यूरोपीय संघ और कनाडा जवाबी कार्रवाई के लिए एक साथ आ गए हैं। जवाबी उपायों की चर्चा ने दुनिया भर में व्यापार युद्ध की संभावना को बढ़ा दिया है।अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सभी कारों और कुछ ऑटो पाट्र्स पर टैरिफ तीन अप्रैल से लागू होने वाले हैं। कनाडा के साथ-साथ मेक्सिको, जापान और दक्षिण कोरिया का अमेरिका के वाहन आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। जर्मनी के नेता रॉबर्ट हेबेक ने कहा कि महत्वपूर्ण है कि अब यूरोपीय संघ को टैरिफ पर निर्णायक प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

कनाडा ने कहा है कि वह अगले सप्ताह टैरिफ की घोषणा कर इसका जवाब देगा। सीएनएन

की खबर के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा की। इसके बाद ओटावा में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव आने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अब कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम करना होगा। कनाडाई नेता ने कहा कि अमेरिका अब उसका विश्वसनीय भागीदार नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के बदले हुए परिदृश्य से जूझना होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

दिलीप हत्याकांड : फरार दो बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ , दोनों के पैर में लगी गोली

औरैया। जनपद में बहुचर्चित दिलीप हत्याकांड में फरार चल रहे दो हत्यारोपियों के साथ पुलिस मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में पुलिस ने दोनों आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में हत्यारोपियों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज औरैया के लिए रेफर कर दिया गया। वहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। घटना में घायल हुए आरोपियों की पहचान दुर्लभ उर्फ पिंटू यादव निवासी चमरौआ थाना दिबियापुर और शिवम यादव निवासी चमरौआ थाना दिबियापुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के ऊपर 25-25 हजार रुपए का इनाम रखा हुआ था। घटना के संबंध में बताने दे कि दिलीप यादव की हत्या उसकी ही पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कांटेक्ट किलर से करवा दी थी।दिलीप यादव की शादी 5 मार्च को बड़ी ही धूमधाम से हुई थी और उसके बाद उसकी पत्नी प्रगति यादव ने अपने प्रेमी अनुराग उर्फ मनोज यादव के साथ मिल कर करवा दी थी। मृतक पति घायलावस्था में 19 मार्च को पटना नहर के पास गेहूं के खेत में मिला था जिसके बाद 21 मार्च को उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस हत्याकांड में पुलिस ने पहले ही पत्नी प्रगति यादव उसके प्रेमी अनुराग उर्फ मनोज यादव और एक कांटेक्ट किलर राम जी नागर को गिरफ्तार का जेल भेज चुकी है। जबकि इस घटना में शामिल तीन हत्यारोपी फरार चल चल रहे थे।पुलिस ने उस घटना में शामिल दो आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। देर रात सहार पुलिस और एसओजी की टीम ने उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब पुलिस की टीम सहार थाना क्षेत्र के शहवाजपुर बंबा के पास चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। पुलिस को एक बाइक पर दो लोग आते हुए दिखे पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन वह तेजी से बाइक चलाते हुए फरार होने की कोशिश करने लगे।बाइक पर सवार दुर्लभ उर्फ पिंटू यादव और शिवम यादव ने पुलिस को पीछा करते देखे हुए उनके ऊपर फायर कर दिया। पुलिस ने भी उनके ऊपर जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में पुलिस टीम को सफलता मिली। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वह घायल अवस्था में वहीं गिर गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहर में भर्ती कराया जहां उनका प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज चिचोली के लिए भेज दिया। पुलिस ने उनके पास से दो तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। आपको बता दें इन दोनों हत्यारोपियो के ऊपर पुलिस ने पहले से ही 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा है।

बेकाबू ट्रक पेड़ से टकराया चालक सहित दो की मौत

सुलतानपुर। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र स्थित लखनऊ-बलिया हाइवे पर शुक्रवार सुबह बांसगांव के पास एक अनियंत्रित ट्रक पेड़ से टकरा गया। हादसे में ट्रक चालक और एक मजदूर की मौत हो गई। दो अन्य मजदूर घायल हैं। प्रभारी निरीक्षक गोसाईंगंज अखिलेश सिंह ने बताया कि सीमेंट लदा ट्रक सुलतानपुर से कादीपुर की ओर जा रहा था। ट्रक जब बांसगांव के पास पहुंचा तो एका-एक अनियंत्रित ट्रक एक पेड़ से टकरा गया। ट्रक के इंजन में अचानक आग लग गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझा लिया। ड्राइवर व मजदूर का शव ट्रक में फंसा था, जिसे जेसीबी बुलाकर बाहर निकाला गया। इसमें घंटो का समय लग गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि राहत और बचाव कार्य कराया गया है। हादसे में मजदूर बृजेश और ट्रक ड्राइवर कोतवाली देहात के अहिमाने निवासी विश्वजीत मिश्रा की मौके पर मौत हुई है। इसी गांव के रामकुमार (32), रामसजीवन (30)घायल हुए। इन्हें जयसिंहपुर सीएचसी से रेफर किया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस छापे को लेकर अमित शाह से अर्जुन सिंह की शिकायत, कानूनी कदम उठाने की तैयारी

कोलकाता। बैरकपुर के भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने अपने घर पर पुलिस छापे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें झूठे मामलों में बार-बार परेशान कर रही है। इसके

खिलाफ वे कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं और शुक्रवार को अदालत में याचिका दायर कर सकते हैं। बुधवार रात जगद्दल स्थित मेघना मिल में श्रमिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान वार्ड नंबर 18 के पार्षद के बेटे नमित सिंह वहां पहुंचे। झड़प बढ़ने पर गोलीबारी भी हुई, जिसमें एक युवक घायल हो गया। पूर्व सांसद अर्जुन सिंह का दावा है कि जब यह घटना हुई, तब वे मजदूर भवन में थे। उन्होंने अचानक दो राउंड गोलियों की आवाज सुनी और तुरंत घटनास्थल की ओर बढ़े। उनका आरोप है कि हमले का मुख्य लक्ष्य वे ही थे। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में अर्जुन सिंह को दो बार थाने में पेश होने के लिए बुलाया गया, लेकिन उन्होंने जाने से इनकार कर दिया। गुरुवार को जगद्दल थाना पुलिस मजदूर भवन पहुंची और अर्जुन सिंह से पूछताछ की। इस कार्रवाई से नाराज अर्जुन सिंह ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें झूठे मामलों में फंसा रही है और बमबाजी के मामले में एनआईए जांच से बचने के लिए विस्फोट की धाराएं नहीं जोड़ी गईं। उन्होंने मांग की कि सीसीटीवी फुटेज जारी किया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने ऐलान किया कि वे शुक्रवार को अदालत में इस मामले को लेकर याचिका दायर करेंगे। उनके एक करीबी सूत्र ने शुक्रवार सुबह बताया कि सीधे हाई कोर्ट में याचिका लगाई जा रही है।

महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन मजबूती नजर आ रही है। हालांकि चांदी के भाव में आज 200 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोना आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,850 रुपये से लेकर 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,360 रुपये से लेकर 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सराफा बाजार में 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

धनबाद में पानी बिजली की मांग को लेकर लोगों का आंदोलन

धनबाद: भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) एरिया 3 के ब्लॉक 04 गोविंदपुर कोलियरी में हिंदुस्तानी नागरिक गण के बैनर तले अनिश्चितकालीन बंद की घोषणा की गयी है। पानी, बिजली और जोरिया की साफ सफाई की मांग को हिंदुस्तानी नागरिक गण के बैनर तले कोरीडीह तिवारीडीह के सैकड़ों महिला और पुरुषों ने ब्लॉक चार पहुंच कर कार्य बंद करा दिया और अपनी मांग पर अड़े रहे।

स्थानीय अरुण कुमार दास ने बताया कि सालों से बीसीसीएल कोयले का खनन कर रहा है लेकिन स्थानीय निवासियों को पानी बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा है। बिजली का पोल और तार जर्जर अवस्था में हैं जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

स्थानीय संतोष कुमार स्वर्णकार ने कहा कि हिंदुस्तानी नागरिक गण ने दिसंबर माह में भी प्रबंधन को पत्र के माध्यम से मांग की थी। प्रबंधन ने तब समय की मांग कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया था। लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

सुगिया देवी ने कहा कि बीसीसीएल के आवास का गंदा पानी नाले के माध्यम से स्थानीय जोरिया में बहाया जा रहा है। जोरिया का पानी हमलोग नहाने और अन्य काम में लाते हैं। जिसमें गंदा पानी बहा कर गंदा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन तत्काल इसकी व्यवस्था कर जोरिया का जीर्णोद्धार करे।

मालती देवी ने कहा कि प्रबंधन की मनमानी रवैया के कारण स्थानीय लोग परेशान हैं। बिजली पानी भी नहीं मिलता है। हमलोगों का जीवन जानवर जैसा हो गया है। प्रबंधन हमलोगों को आदमी भी नहीं मानता है। हमलोग पानी के लिए तरस रहे हैं। प्रबंधन तत्काल पहल कर समस्या का समाधान करे।

चिंगरी गांव का लच्छू पिछले एक सप्ताह से है लापता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित बिशुनपुर थाना क्षेत्र के चिंगरी गांव निवासी 50 वर्षीय लच्छू उरांव गत बुधवार को घर से निकाला और फिर अब तक लौट कर घर नहीं आया है , इधर परिजन के द्वारा काफी खोजबीन किया गया परन्तु कुछ भी अता पता नहीं चलने पर एक सप्ताह बाद उसके पुत्र अभिषेक उरांव ने अपने पिता को खोजबीन करने में बिशुनपुर पुलिस से गुहार लगाया है साथ ही साथ उप प्रमुख चंदन सिंह एवं बीडीओ सूलेमान मुंडरी से भी उसके पुत्र ने मिलकर बताया कि मेरे पिता का दिमागी हालत ठीक नहीं है और वह गत बुधवार को सफेद टी-शर्ट एवं सफेद धोती पहनकर घर से निकले हैं और अब तक घर नहीं लौटे हैं , अतः उन्हें जल्द खोज निकालने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

महिला लापता, पति और बेटा परेशान

गुमला : गुमला सदर थाना स्थित फसिया बर टोली ग्राम निवासी छोटे लाल गोप ने गुमला सदर थाना में लिखित आवेदन देकर सन्हा दर्ज कराते हुए, अपने आवेदन में बताया हैं कि मेरी 22 वर्षीय पत्नी आरती देवी अपने ढाई साल के पुत्र को घर में छोड़कर , गत रविवार को 11:00 बजे दिन में पायल बदलने की बात कहकर घर से निकली और फिर वह वापस घर नहीं लौटी, तब मैं और मेरा परिवार अपने स्तर से अपनी पत्नी के मायके और संभावित अपने परिजनों के यहां काफी खोजबीन किये , परन्तु उसका कहीं भी कोई अता-पता नहीं चला फिर , अन्त में गुमला सदर थाना में आवेदन देकर थाना प्रभारी ने खोजबीन करने का गुहार लगाया हूं।

यूसिल कर्मियों को जून से मिलेगी ब्रांडेड दवाइयां, 16 करोड़ का टेंडर स्वीकृत

जादूगोड़ा : यूसिल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर एम के रजक यूसिल अस्पताल की गिरती साख को वापस लाने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसमें उन्हें काफी हद तक सफलता भी मिली है।

उनके प्रयास से अब यूसिल कर्मियों को जून महीने से ब्रांडेड दवाएं मिलने लगेंगी। इसके लिए आगामी दो सालों के लिए 16 करोड़ रुपये की ब्रांडेड दवाओं के टेंडर पर यूसिल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉक्टर संतोष कुमार सतपति की मुहर लग गयी है।

हालांकि परमाणु ऊर्जा बोर्ड, मुंबई से इसे मंजूरी मिलना बाकी है। इसके बाद इसे लागू कर दी जायेगी। बता दें कि इससे पहले 5 करोड़ में जेनरिक दवा की आपूर्ति पर रोक लगायी गयी थी।

इसके अलावा, चार नए डॉक्टरों की नियुक्ति भी की जायेगी, जिससे अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं में और सुधार होगा। यूसिल अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए डिजिटल एक्सरे मशीन, आधुनिक ईसीजी और कान की मशीन भी उपलब्ध करायी गयी है, ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो।

यूसिल ने बच्चों के बीच 250 बैडमिंटन रैकेट किये वितरित

जादूगोड़ा : यूसिल ने नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट के डिप्टी मैनेजर स्टेलिन हेंब्रम की अगवाई में पांच उत्क्रमित उच्च विद्यालयों में 250 बच्चों के बीच बैडमिंटन रैकेट बांटे। इसका उद्देश्य भारत सरकार के खेलों इंडिया अभियान को गति देना है। राजदोहा उत्क्रमित उच्च विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक अनुपमा कुमारी ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी है। उन्होंने बच्चों की सक्रियता की सराहना की और यूसिल की पहल का समर्थन किया। कंपनी के डिप्टी मैनेजर एस आर हेंब्रम ने बताया कि बैडमिंटन रैकेट वितरण कार्यक्रम कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत किया गया। क्षेत्र के पांच स्कूलों खुखड़ाडीह, सिद्धू-कान्हु मेमोरियम हाई स्कूल कैडो, उत्क्रमित उच्च विद्यालय राजदोहा, डोमजुडी और शंकर दा में 50-50 बैडमिंटन रैकेट बांटे गये। इस मौके पर डिप्टी मैनेजर एस आर हेंब्रम, सहायक प्रशासनिक अधिकारी डी एन सिंह, बाल कृष्ण मिश्रा और गाजिया हांसदा भी मौजूद थे।

कदमा में 30 को मनेगी स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती

जमशेदपुर : जमशेदपुर के कदमा में 30 मार्च को स्वामी सहजानंद सरस्वती की 136वीं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसकी तैयारी को लेकर गुरुवार को जादूगोड़ा मोड़ चौक स्थित रणजीत सिंह के आवास पर समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता स्वामी सहजानंद सरस्वती कल्याण संस्थान के महासचिव जय कुमार ने की। बैठक में कदमा में होने वाले समारोह को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में जादूगोड़ा ब्रह्मर्षि समाज के अध्यक्ष उपेन्द्र शर्मा की अगुवाई में बड़ी संख्या में समाज के लोग भाग लेने जाएंगे।

हजारीबाग में हिंसक झड़प के बाद सामान्य हुए हालात, पांच लोगों को जिला बदर का नोटिस

मेट्रो रेज संवाददाता

हजारीबाग: रामनवमी पर्व को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है। विगत दिनों झंडा चौक के निकट हुए दो गुटों के बीच हिंसक सड़क के बाद स्थिति सामान्य हो रही है। हजारीबाग में लोग घर से बाहर निकल रहे हैं। वहीं ईद का बाजार भी सज कर तैयार है। जनजीवन भी सामान्य हो रहा है।

हजारीबाग में हिंसक झड़प के बाद अब जिला प्रशासन की ओर से बैठकों का दौर भी जारी है। यह घटना क्यों घटी इसे लेकर भी मंथन किया जा रहा है। दोनों समाज के लोगों से वार्ता भी किया जा रहा है। हजारीबाग एसपी का कहना है कि सभ्य समाज में इस तरह की घटना होना बेहद चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि शांति के साथ पर्व संपन्न हो यह सबसे जरूरी है। यह हजारीबाग के लोगों की जिम्मेदारी है कि वह ऐतिहासिक रामनवमी की विरासत को बचाए रखें।

एसपी ने उदाहरण देते हुए कहा कि रामनवमी में सभी समुदाय के लोग राम भक्तों का स्वागत करते हैं। उन्हें ठंडा पानी पिलाते हैं और माल भी पहनाते हैं। इसके बावजूद इस तरह की घटना घटी खुद में कई सवाल खड़ा कर रहा है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों के द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश की जाती है। आम जनता को जागरूक होना चाहिए। इस तरह की घटना की पुनार्वृति नहीं हो इसे लेकर सोचने की जरूरत है।

हजारीबाग बड़ा अखाड़ा के महंत विद्यानंद दास ने भी लोगों से अपील की है कि रामनवमी महापर्व की सुंदरता बरकरार रखें। पर्व त्योहार में अगर नशा प्रवेश करता है तो उसकी सुंदरता धूमिल हो जाती है। राम भक्त मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का जन्म उत्सव मनाते हैं। उनके आदर्श का भी ध्यान रखना चाहिए। घटना घटने के बाद उसका बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ता है। जो भी व्यक्ति इस तरह की घटना में सम्मिलित होते हैं उन पर कानूनी कार्रवाई भी होती है। उस व्यक्ति को भारी फजीहत का सामना भी करना पड़ता है।

रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष बसंत गोप ने भी कहा कि पिछले दिनों जिस तरह से घटना घटी है यह बेहद दुखद है। आपस में सभी अखाड़ों को मिलकर यह सोचना होगा कि हजारीबाग की रामनवमी की भव्यता सुंदरता बरकरार रहे। कोई भी व्यक्ति ऐसी घटना को अंजाम न दे तो शांति व्यवस्था को धूमिल करता हो। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना करने के बाद सबसे बड़ा असर ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ रहा है। लोग जुलूस देखने के लिए नहीं पहुंचते हैं। दूसरे जिले से भी रामनवमी देखने वालों की संख्या घटी है। इस कारण पर्व की सुंदरता बरकरार रखने के लिए हर एक वर्ग को आगे आने की आवश्यकता है।

रामनवमी संरक्षण समिति के अध्यक्ष प्रधान कुमार प्रधान ने भी कहा कि रामनवमी का इतिहास 100 वर्षों से भी अधिक पुराना है। मंगलवार को जिस तरह से घटना घटी है वह इसके विरासत के लिए बुरा संदेश दे रहा है। समाज की हर एक तबका को आपस में मिलकर इस पर्व को बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है इस पर्व की भव्यता बरकरार रखे। सभ्य समाज में इस तरह का धार्मिक उन्माद बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दो मंगल और भव्य रामनवमी जुलूस निकालने वाला है। इसके अलावा सरहुल और ईद का भी त्योहार है। ऐसे में सब आपसी एकता का परिचय देते हुए पर्व मनाया जाए।

हजारीबाग जिला प्रशासन को रामनवमी मैं अतिरिक्त सुरक्षा बल उपलब्ध कराया जा रहा है। हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि पांच लोगों के खिलाफ जिला बदर का नोटिस भी जारी किया जा रहा है। सभी का नाम जल्द प्रकाशित करने की बात भी कही है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम की जा रहा है। हर एक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी उठानी होगी। शांति से पर्व बनाए और किसी भी अफवाह में ध्यान ना दें। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि कोई भी व्यक्ति जो कानून तोड़ेगा उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

आइए कारगर कदम उठाए स्वस्थ राजनीति की ओर

बिनय मिश्रा

ये कहां आ गए हम यूं ही साथ चलते चलते कभी राजनीति में एक दूसरे के प्रति विरोधी होने के पश्चात भी सम्मान देने में कभी कंजूसी या कटौती नहीं देखी जाती थी किंतु वर्तमान समय में राजनीति में प्रतिद्वंदी को शत्रु के श्रेणी में लगभग मान लिया जाता है और अपनी जमकर भड़ास भी निकाली जाती है कभी राजनीति स्वस्थ राजनीति का हिस्सा हुआ करता था आज वर्तमान समय में अब महज कटुता तक ही सीमित रह गया है अगर हम बात करें तो वर्तमान समय में विधानसभा सत्र जो कि 24 मार्च से प्रारंभ हुई जिसका समापन 27 अप्रैल को समाप्त हुआ इस दौरान सत्ता पक्ष के ही सदस्यों और मंत्रीगण के बीच विरोधाभास भी देखने को मिला यही नहीं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के द्वारा रांची विधानसभा क्षेत्र से निरंतर कई बार चुनाव जीतने वाले मंत्री पद पर रह चुके तथा झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष भी रहने वाले सीपी सिंह के विरोध में श्री अंसारी ने उनके जाति से लेकर उनके विरोध में जितना विष वमन किया वह निश्चित तौर पर पीड़ा जनक है आज हमारी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता की हालात लगभग ऐसे हो चले हैं कि विरोधी पार्टी या दल के सदस्यों को लगभग शत्रु श्रेणी में माना जाता है जबकि इससे पूर्व इतिहास गवाह है कि राजनीतिक दल के लोग विरोधी दल के सदस्यों को भी पूर्ण सम्मान और आदर के साथ संबोधित किया करते थे आज पता नहीं किसकी नजर लग गई और वर्तमान समय में राजनीतिक दल के लोग एक दूसरे को शत्रु ही मान बैठे हैं ईश्वर से बस यही कामना है कि सबों के मन में सद्विचार हो और एक दूसरे के प्रति आदर और श्रद्धा जिससे कि स्वस्थ राजनीति की परंपरा का निर्वहन भली-भांति हो सके और लोग एक दूसरे के प्रति सम्मान आदर तथा बेहतर राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत करें। क्योंकि पूरे राज्य के जनता की निगाहें इन माननीयों पर रहती है और इनके व्यवहार पर भी सबकी निगाहें टिकी रहती हैं।

निर्दोष लोगों पर पूर्व में किए गए केस वापस लिया जाए : अजय सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा पुलिस के भय से घाघरा वासियों ने महा रामनवमी उत्सव त्योहार नहीं मनाने का मामला अब तुल पकड़ता जा रहा हैं , इसी संबंध में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद गुमला के पदाधिकारी घाघरा पहुंचे और केंद्रीय महावीर मंडल घाघरा के लोगों से साथ एक आवश्यक बैठक करते हुए विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अजय सिंह ने कहाकि पुलिस के भय से घाघरा में महा रामनवमी उत्सव त्योहार नहीं मनाना पुलिस के द्वेषपूर्ण कार्यवाही को दशार्ता है , अतः जिला एवं पुलिस प्रशासन इस पर पहल करें और वर्षों से चली आ रही महा रामनवमी में जुलूस की परंपरा को बरकरार रहें और घाघरा वासियों द्वारा भी धूमधाम से महारामनवमी महोत्सव का त्यौहार मनाया जाय, अतः जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पहल करते हुए , पुलिस द्वारा निर्दोष लोगों को फसाए जाने का मामला प्रकाश में आया है , उसपर निष्पक्ष जांच करते हुए निर्दोष लोगों का नाम हटाया जाए , अन्यथा उग्र आंदोलन किया जाएगा और सिर्फ घाघरा ही नहीं पूरा गुमला जिला बंद रहेगा , उक्त बैठक में अजय सिंह , मुकेश सिंह, केशव चंद्र साय, मनोज वर्मा, कुलदीप सिंह, अमित कुमार सहित अन्य अनेक लोग उपस्थित थे ।

डॉ अनिल ने अपनी शोध प्रस्तुति को विस्तारित रूप में चर्चा और परिचर्चा

साहिबगंज : साहिबगंज महाविद्यालय रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर विभाग के डॉ अनिल कुमार ने मधुस्थली इंस्टीट्यूट का टीचर ट्रेनिंग मधुपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ऑन टीचर प्रिपेरेडनेस, स्ट्रैटेजिस एंड प्रैक्टिस इन लाइन विद एन ई पी 2020 में आभासी रूप से भाग लिया।जिसमें डॉ कुमार के द्वारा टीचर प्रिपेरेडनेस स्ट्रैटेजिस और प्रैक्टिस ए डीप डाइव इनटू एन ई पी 2020 पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।डॉ कुमार ने अपनी शोध प्रस्तुति को विस्तारित रूप में चर्चा एवं परिचर्चा की।डॉ कुमार ने एन ई पी 2020 को विस्तारित रूप से श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया साथ ही साथ डॉ कुमार ने इसके विभिन्न पहलुओं पर भी बात की।डॉ कुमार ने अपने पत्र के माध्यम से यह भी बताया कि शिक्षक एन ई पी के अनुरूप अपने आप को कैसे ढाल सकते हैं ताकि वह विद्यार्थियों को एन ई पी के अनुरूप अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकें श्रोताओं द्वारा डॉ कुमार की प्रस्तुति को बहुत ही सराहा गया।

दो ट्रकों की आपसी सीधी टक्कर में लगी भयंकर आग, एक चालक की हुई मौत

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट थाना क्षेत्र के काली मंदिर चौक टंगरा जंगल के पास राष्ट्रीय उयच्च पथ 23 पर दो लाइन टेलर ट्रक के आपसी जोरदार भींडत के फलस्वरूप एक टेलर ट्रक चालक की घटना स्थल पर हुई दर्दनाक मौत . जानकारी के अनुसार कल बुधवार रात्रि लगभग 8 बजे अंबिकापुर से कोयला लोड कर जमशेदपुर टाटा जा रहा लाइन ट्रक विपरीत दिशा सिमडेगा के तरफ से खाली टेलर लाइन ट्रक और गुमला के तरफ से कोयला लोड कर जमशेदपुर टाटा जा रही ट्रेलर लाइन ट्रक पालकोट चौक टंगरा जंगल के समक्ष आपसी सीधी भींडत हो जाने के कारण उक्त दिनों टेलर लाइन ट्रक में एकाएक भयंकरआग लग जाने के फलस्वरूप गुमला के तरफ से आ रही टेलर लाइन ट्रक का चालक जो छतीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिला अंतर्गत स्थित सिंगा ग्राम निवासी कुबेर गोस्वमी अपने टेलर लाइन ट्रक में फंस जाने के कारण उक्त घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गयी. इधर पालकोट थाना पुलिस को उक्त घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर थाना प्रभारी राहूल दसौंधी और गुमला से फायर ब्रिगेड बुलाकर दोनों टेलर ट्रक में लगे आग पर काबू पाया. दोनों टेलर ट्रक में लगे आग को बुझाते हुए लगभग तीन घंटे लगे. इस दौरान दोनों तरफ वाहनों का कतार लग गयी. गुमला के तरफ से आ रही टेलर ट्रक छतीसगढ़ राज्य से कोयला लोड कर टाटा जा रही थी. इधर संजोग दिखिए की उक्त कोयला लोड लाइन टेलर ट्रक में आज दूसरे दिन सुबह तक आग का लपेटा निकल रहा था और उक्त टेलर ट्रक में आग आज सुबह तक धूं-धूं कर जल रहा था ।

शांति एवं सौहार्द बनाए रखें व त्योहार मनाएं : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला में आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व को ध्यान में रखते हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज टाउन हॉल , गुमला में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह ने की।

बैठक में उपायुक्त ने उपस्थित ईद कमिटी, सरहुल कमिटी एवं रामनवमी कमिटी, शांति समिति के सभी सदस्यों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं जिले के गणमान्य नागरिकों से त्योहारों के दौरान सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है, सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं। आमजनों से विशेष अपील है कि शांति एवं सौहार्द बनाए रखते हुए आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता के साथ त्योहार मनाए।

त्योहारों के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु सभी समुदायों से सहयोग की अपील की गई। सोशल मीडिया पर किसी भी भ्रामक या भड़काऊ संदेश से बचने और इसकी सूचना अभिलंब जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को देने की सलाह दी गई। जुलूस एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए प्रशासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करने की अपील की गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की भी जानकारी दी गई। उपायुक्त गुमला ने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दे और शांति बनाए रखने में जिला प्रशासन को सहयोग करें। उक्त त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों को बख्सा नही जाएगा और उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी, उक्त त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो यह जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है।

बैठक में ईद कमिटी, सरहुल कमिटी एवं रामनवमी कमिटी के सुझावों को भी सुना गया। सभी कमिटी द्वारा अपने अपने कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने सभी समुदाय को आपस में मिलकर शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने का अपील किया। उपायुक्त गुमला ने कहा कि आप सभी जिला प्रशासन के अंग के रूप में त्यौहारों में सक्रिय रहे, और किसी भी घटना की सूचना अविलंब प्रशासन को दें। साथ हीं विभिन्न अखाड़ों के रामनवमी समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव को भी पूरी सक्रियता से अपने अपने जुलूस का प्रतिनिधित्व करने को कहा गया। जुलूस में डीजे पर कोई भी विवादित या अश्लील गाने न बजाने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे विवाद उत्पन्न ना - हो।

उक्त बैठक में गुमला पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग की ओर से तैयारियां पूर्ण है। आपकी सहायता हेतु आवश्यकता अनुसार पुलिस के जवान जगह-जगह पर तैनात रहेंगे। रामनवमी के लाइसेंस रिन्यू को लेकर उन्होंने कहा कि किसी भी अखाड़े , समिति को यदि लाइसेंस अथवा लाइसेंस रिन्यू के लिए आवेदन करना है , तो वह समय रहते सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ लाइसेंस रिन्यू करने के लिए अनुमण्डल पुलिस कार्यालय में आवेदन करें। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण बातें कही, उन्होंने पुलिस के अलावा वोलेंटियर्स की प्रतिनियुक्ति करने एवं वोलेंटियर्स को अनिवार्य रूप से आईडी कार्ड लगाए रखने की बात कही। साथ हीं जिलावासियों को त्योहार के दौरान ट्रैफिक नियंत्रण में सहयोग करने को कहा। रामनवमी एवं मंगला जुलूस में निकाले जाने वाले शोभा यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि पूर्व से निर्धारित सड़क मार्ग पर ही शोभा यात्रा निकाला जाए। विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी के माध्यम से प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। त्योहार के दौरान गड़बड़ी करने वाले असमाजिक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नही जाएगा, उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ हीं साथ उन्होंने गुमला जिले के नागरिकों से यह भी अपील किया कि त्योहार के दौरान नशा करने से बचें। नशा के कारण भी अप्रिय घटना घटित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि लाइसेंस में तय रूट निर्धारण का ही अनुपालन करें। जिससे कि किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। डीजे में भड़काऊ एवं प्रतिबंधित गानों को ना बजाएं। उन्होंने सभी शांति समिति के सदस्य को निर्देशित किया कि वॉलेंटियर्स को यूनिक आइडेंटिटी उपलब्ध कराएं साथ ही साथ वॉलेंटियर्स की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएं।

प्रशासन की ओर से उपायुक्त गुमला एवं पुलिस अधीक्षक गुमला ने संयुक्त रूप से जिलेवासियों से आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता के साथ त्योहार मनाने की अपील करते हुए आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी त्योहार की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दिये। वहीं बैठक में मौजूद ईद कमिटी, सरहुल कमिटी एवं रामनवमी कमिटी, शांति समिति के सदस्यों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं जिले के गणमान्य नागरिकों ने भी पूर्ण रूप से जिला प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया।

इस बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक गुमला, उप विकास आयुक्त गुमला, एसडीओ सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, डीसीएलआर गुमला, डीसीएलआर बसिया, डीएसपी गुमला, सहित शांति समिति के जिला एवं प्रखंड स्तरीय सदस्य मौजूद रहें।